RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:286 ता. 05 मई 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

चुनाव में ड्यूटी से बचाने का नहीं चलेगा कोई बहाना

लुधियाना ।

लोकसभा चुनावों की प्रक्रिया को सुचारु रुप से चलाने के लिए जहां जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जा रही है वहीं कुछ कर्मचारियों अलग-अलग कारण बता ड्यूटी से बचने के लिए आवेदन दे रहे हैं। इसके बाद डी.सी.साक्षी साहनी ने सभी कर्मचारियों को सख्त आदेश देकर कहा कि अगर कोई गलत आधार बताकर ड्यूटी कटवाने का प्रयास करेगा, तब उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि लुधियाना प्रशासन द्वारा निर्विघ्न चुनावी प्रक्रिया को संपन्न करने के लिए जिले में 17 हजार 962 के करीब कर्मचारियों की ड्यूटी लगानी है। जिले में कुल 26 लाख 84 हजार 239 वोटरों के लिए 921 के करीब बूथ बने हैं। इसके लिए कर्मचारियों को बाकायदा ट्रेनिंग भी दी जा रही है। चुनावी ड्यूटी से उन्हीं कर्मचारियों को राहत मिल सकती है, जो मेडिकल के आधार पर ड्यूटी करने में सक्षम नहीं होगा। इसके बाद अगर कोई फर्जी या गलत मेडीकल प्रमाणपत्र बनवा कर ड्यूटी से बचने की कोशिश करेगा या ड्यूटी दौरान किसी भी तरह की लापरवाही बरतेगा उसके खिलाफ कड़ी करवाई तय है। डी.सी. ने स्पष्ट किया कि महिला कर्मचारियों को उनके विधानसभा क्षेत्र में ड्यूटी के लिए नियुक्त किया जाएगा। अगर किसी कर्मचारी को इस मामले में कोई परेशानी है, तब वहां ए.डी..सी. मेजर सरीन से संपर्क कर सकता है।

शाह का फेक वीडियो मामला: कोर्ट ने अरुण रेड्डी को तीन दिन की रिमांड पर भेजा

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फेक वीडियो मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अरुण बी रेड्डी को शनिवार को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। पुलिस की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने अरुण बी रेड्डी को तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेजने का आदेश दिया। रिमांड पर पुलिस अरुण से पूछताछ कर यह जानने की कोशिश करेगी कि वीडियो किसने बनाया था और कब बनाया। फेक वीडियो एक्स पर पोस्ट करने के पीछे क्या मकसद था। दिल्ली पुलिस की दस सदस्यीय टीम जांच के लिए पांच दिनों से हैदराबाद में डेरा डाले है। पुलिस ने अरुण बी रेड्डी के पास से मोबाइल और लैपटॉप बरामद किया है, जिसकी गहन जांच की जा रही है। दोनों इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच कर पुलिस पता करेगी कि फेक वीडियो इसने खुद बनाया था या किसी की मदद ली थी या किसी अन्य ने बनाया था। पुलिस हर तथ्य को सामने रख कर जांच कर रही है क्योंकि यह देश के गृहमंत्री से जुड़ा हुआ है।

भाजपा का नया आरोप कहा- राहुल खेमा प्रियंका और रॉबर्ट को आगे नहीं बढ़ने दे रहा

नई दिल्ली। हाल ही में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त की थी। लेकिन उनकी मंशा अधूरी ही रह गई और उन्हे कांग्रेस ने चुनावी मैदान में नहीं उतरने दिया। इस मुद्दे को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा का कहना है कि राहुल गांधी खेमा कांग्रेस के अंदर प्रियंका गांधी वाड्रा और रॉबर्ट वाड्रा को हाशिए पर धकेल रहा है। भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने शनिवार को इशारों-इशारों में गांधी परिवार के अंदर सब कुछ ठीक नहीं होने की बात कहते हुए अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर कहा, अमेठी में अपार लोकप्रियता का दावा करने के बावजूद उस सीट के लिए रॉबर्ट वाड्रा पर ध्यान नहीं दिया गया। यह स्पष्ट है कि राहुल गांधी खेमा व्यवस्थित रूप से कांग्रेस में प्रियंका वाड्रा और उनके पति दोनों को हाशिये पर धकेल रहा है। बता दें कि कांग्रेस ने गांधी परिवार के करीबी केएल शर्मा को अमेठी से उम्मीदवार बनाया है, जबकि राहुल गांधी खुद इस बार रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं।

हादसा: पहाड़ से नीचे गिरी कार में 5 की मौत, एक की हालत गंभीर

देहरादून। मसूरी-देहरादून रोड पर झड़ीपानी के निकट एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई और एक की हालत गंभीर है। पुलिस के मुताबिक चूनाखाल-झाड़ीपानी मार्ग पर कमल कॉटेज के पास शनिवार सुबह 5 बजे के करीब एक फोर्ड एंडेवर एसयूवी गाड़ी अनियंत्रित होकर पहाड़ से नीचे सड़क पर गिर गई। इसमें बैठे 4 युवक और 2 युवतियों में से 5 की मौत हो गई और एक युवती गंभीर रुप से घायल है। स्थानीय लोगों और राहगीरों से हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि गाड़ी ऊपरी लेन से नीचे वाली सड़क पर आकर उल्टी गिरी, जिसमें छह लोग सवार थे। सभी देहरादून के एक शिक्षण संस्थान के छात्र बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद एसयूवी में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य को गाड़ी के मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। यहां दो और घायलों ने दम तोड़ दिया। हादसे में जान गंवाने वालों में चार युवक और एक युवती शामिल हैं। मसूरी फायर सर्विस, एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू शुरू किया। पुलिस ने बताया कि दो युवतियों को गाड़ी के मलबे से निकालकर 108 एंबुलेंस के जरिए देहरादून हायर सेंटर भेजा गया, लेकिन उनमें से एक को बचाया नहीं जा सका। हादसे में जान गंवाने वाले सभी 5 लोगों के शव पोस्टमार्टम के लिए मसूरी उप जिला चिकित्सालय भेजे गए। मसूरी पुलिस सभी के पहचान की कोशिश कर रही है। बताया जा रहा है कि ये सभी देहरादून आईएमएस कॉलेज में पढ़ाई करते थे और मसूरी घूमने के लिए आए थे। देहरादून वापस लौटते समय यह हादसा हुआ।

पति-पत्नी के रिश्तों पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा-

जोड़ियां स्वर्ग में बनती हैं इसे नष्ट न करें

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सहनशीलता और सम्मान एक अच्छे विवाह की नींव हैं और छोटे-मोटे झगड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश नहीं किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी एक महिला द्वारा पति के खिलाफ दायर दहेज-उत्पीड़न के एक मामले को रद्द करते हुए आई है।

सुप्रीम कोर्ट का यह अवलोकन उस फैसले में आया है, जिसके जरिये पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के एक संबंधित अदेश को रद्द कर दिया गया था। हाईकोर्ट ने पत्नी द्वारा दर्ज आपराधिक याचिका को निरस्त करने संबंधी पति की याचिका खारिज कर दी थी। पति ने शीर्ष अदालत में इस आदेश को चुनौती दी थी। अदालत ने कहा कि कई बार एक विवाहित महिला के माता-पिता और करीबी रिश्तेदार बात का बतंगड़ बना देते हैं और स्थिति में हस्तक्षेप करने और शादी बचाने के बजाय वे ऐसे कदम उठाते हैं कि छोटी-छोटी बातों पर वैवाहिक बंधन पूरी तरह नष्ट कर देते हैं। दसुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'एक अच्छे विवाह की नींव सहिष्णुता, समायोजन और एक-दूसरे का सम्मान करना है। एक-दूसरे की गलतियों को एक निश्चित सीमा तक सहन करना हर विवाह में अंतर्निहित होना चाहिए। छोटी-मोटी नोक-झोंक, छोटे-मोटे मतभेद सांसारिक मामले हैं और इन्हें बढ़ा-चढ़ाकर पेश नहीं किया जाना चाहिए। जोड़ियां स्वर्ग में बनती हैं और इसे किसी तरह भी नष्ट करना उचित नहीं है।'

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि महिला, उसके माता-पिता और रिश्तेदारों के दिमाग में सबसे पहली चीज जो आती है वह है पुलिस, क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस सभी बुराइयों का रामबाण इलाज है। पीठ ने कहा कि यदि पति-पत्नी के बीच सुलह की उचित संभावना होती भी है, तो मामला पुलिस के पास ले जाकर इसे समाप्त कर लिया जाता है। अदालत ने कहा कि वैवाहिक विवादों में मुख्य पीड़ित बच्चे होते हैं। पीठ ने कहा, 'पति-पत्नी अपने दिल में इतना जहर लेकर लड़ते हैं कि वे एक पल के लिए भी नहीं सोचते कि अगर शादी खत्म हो जाएगी, तो उनके बच्चों पर क्या असर होगा।

जहां तक बच्चों के लालन-पोषण की बात है तो तलाक एक बहुत ही संदिग्ध भूमिका निभाता है।'कोर्ट ने कहा कि सभी मामलों में जहां पत्नी उत्पीड़न या दुर्व्यवहार की शिकायत करती है, भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए को यांत्रिक रूप से लागू नहीं किया जा सकता। कोई भी प्राथमिकी आईपीसी की धारा 506(2) और 323 के बिना पूरी नहीं होती। दूसरे के लिए परेशानी का कारण बन सकने वाला हर वैवाहिक आचरण क्रूरता की श्रेणी में नहीं आ सकता।

पति-पत्नी के बीच रोजमर्रा की शादीशुदा जिंदगी में मामूली गुस्सा और मामूली झगड़े भी क्रूरता की श्रेणी में नहीं आ सकते।सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, 'हम ऐसा क्यों कह रहे हैं, इसका एकमात्र कारण यह है कि पूरे मामले को ठंडे दिमाग से संभालने के बजाय आपराधिक कार्रवाई शुरू करने से एक-दूसरे के लिए नफरत के अलावा कुछ और नहीं मिलेगा। पति और उसके परिवार द्वारा पत्नी के साथ वास्तविक दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के मामले हो सकते हैं। इस तरह के दुर्व्यवहार या उत्पीड़न का स्तर अलग-अलग हो सकता है।' कोर्ट ने कहा कि वैवाहिक विवादों में पुलिस तंत्र का सहारा अंतिम उपाय के रूप में लिया जाना चाहिए।

पीएम मोदी का रांची में हुआ रोड-शो

रांची।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चाईबासा में चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद शुक्रवार शाम 6 बजकर 45 मिनट पर रांची एयरपोर्ट पहुंचे। रांची एयरपोर्ट से राजभवन तक पीएम मोदी ने रोड शो कर भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ को वोट देने की अपील की। इस रोड शो में बड़ी संख्या में युवाओं के साथ ही महिलाएं भी शामिल हुईं।

यहां रांची एयरपोर्ट से निकलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे पहले बिरसा चौक पहुंचे थे, जहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर पीएम मोदी के साथ भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार भी नजर आए। पीएम मोदी ने रातू रोड चौराहे तक रोड शो करने के बाद राजभवन में रात्रि विश्राम किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के दौरान फूलों की बारिश का नजारा देखने लायक था। वहीं दूसरी तरफ एयरपोर्ट से लेकर राजभवन तक मोदी-मोदी के नारे से आसमान गूंजायमान रहा। पीएम मोदी का काफिला जैसे ही मारवाड़ी भवन के समीप पहुंचा तो एक भव्य नजारा सामने था। मारवाड़ी भवन में जोरदार तरीके से फूलों की बारिश की गई, जिससे पीएम मोदी का वाहन फूलों से ढंक गया।

यह खूबसूरत नजारा देखते ही बन रहा था।

अगले तीन चार दिनों में फिर बदलेगा मौसम, आंधी तूफान के साथ बारिश की संभावना

नई दिल्ली।

आने वाले तीन चार दिनों में मौसम फिर करवट लेगा। कहीं भीषण गर्मी,लू का असर रहेगा तो कहीं तेज आंधी और बारिश की संभावना बन रही है। जानकारों के मुताबिक जिन राज्यों में बारिश की उम्मीद है वहां के लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी और लेकिन आंधी तूफान और बारिश मुश्किलें बढ़ाएगी।

ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार में तेज गर्मी पड़ने की संभावना है। तीन दिन के बाद आंधी-तूफान की वजह से राहत मिलने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक के अंदरूनी इलाकों और तमिलनाडु में अगले चार दिनों तक भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान है। दो दिनों के बाद अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा और मिजोरम में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ, मराठवाड़ा और गुजरात क्षेत्र में लगभग आठ से 11 दिन लू चलने की संभावना है। आईएमडी ने आगे कहा कि उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कुछ हिस्सों और पूर्वोत्तर प्रायद्वीपीय भारत के आसपास के क्षेत्रों को छोड़कर भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य अधिकतम तापमान होने की संभावना है। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ नरेश कुमार ने बताया कि देश के पूर्वी हिस्सों में अगले तीन दिनों तक लू का कहर जारी रहेगा।

मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 26 करोड़ का सोना जब्त

- 20 लाख के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त

मुंबई।

मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोना बरामदगी का दौर चल रहा है. यहां लगातार कस्टम विभाग द्वारा करोड़ों रूपये मूल्य का सोना जब्त किया जा रहा है. एक बार फिर हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने सोना तस्करों की साजिश को नाकाम कर दिया. बताया गया है कि सीमा शुल्क अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर 12.74 किलोग्राम सोना जब्त किया है। तस्कर मल द्वार, अंडरवियर और पानी की बोतलों में सोने की तस्करी कर रहे थे। तस्करों से जब्त किए गए सोने की कीमत 8.17 करोड़ रुपये है. इसके साथ ही कस्टम विभाग ने 20 लाख के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए हैं. कस्टम विभाग ने 20 अलग-अलग मामलों में यह कार्रवाई की है. जाँच में यह भी खुलासा हुआ कि विमान की सीट के नीचे एक पाइप में सोना छिपाया गया था। इन सभी मामलों में एयरपोर्ट के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी समेत 5 यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है.

- अफगानी महिला द्वारा सोने की तस्करी

डीआरआई ने मुंबई एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी कर रही एक अफगानी महिला को हिरासत में लिया. इस महिला के पास से 25 किलो सोना बरामद किया गया. इस सोने की कीमत 18.6 करोड़ रुपये है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला दुबई से मुंबई पहुंची थी। इसके बाद इस महिला के पास से 25 किलो सोना जब्त किया गया.

एल्विश यादव मामले में ईडी की एंट्री......मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय ने दवा के रूप में सांप के जहर के संदिग्ध उपयोग के आरोप में यूट्यूबर सिद्धार्थ यादव उर्फ एल्विश यादव और कुछ अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है। केंद्रीय एजेंसी ने पिछले माह गौतम बौद्ध नगर (नोएडा) जिला पुलिस द्वारा उनके और उनसे जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ दायर एक एफआईआर और आरोप पत्र का संज्ञान लेने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आरोप लगाए हैं। अपराध की आय का कथित सृजन और रेव या मनोरंजक पार्टियों के आयोजन के लिए अवैध धन का उपयोग ईडी की जांच के दायरे में है। ईडी सूत्रों ने कहा कि जांच के तहत यादव और मामले से जुड़े कुछ अन्य लोगों से पूछताछ होगी। एल्विश पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। पशु अधिकार एनजीओ पीपल फॉर एनिमल्स (पीएफए) के एक प्रतिनिधि की शिकायत पर पिछले साल 3 नवंबर को पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी में नामित छह लोगों में यादव भी शामिल थे। पांच अन्य आरोपियों, सभी सपेरों को नवंबर में गिरफ्तार किया गया था और बाद में एक स्थानीय अदालत ने उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया था।

पीएम मोदी पर प्रियंका गांधी का हमला.....ये शहजादे 4000 किलोमीटर पैदल चले

खुद जाकर बनारस से चुनाव लड़ते है

अहमदाबाद ।

लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बनासकांठा में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने राहुल गांधी को शहजादा कहने के लिए पीएम मोदी पर निशाना साधकर उन पर शहंशाह जैसा जीवन जीने का आरोप लगाया। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, वे मेरे भाई को शहजादा बोलते हैं। मैं उन्हें बताना चाहती हूं, ये शहजादे 4000 किलोमीटर पैदल चले हैं। कन्याकुमारी से कश्मीर तक आपकी समस्याओं को सुनने के लिए पैदल चले हैं। मेरे भाइयों, बहनों, किसानों, मजदूरों से मिले हैं। सबसे प्यार से मिलकर पूछा है कि तुम्हारे दिल में क्या मुश्किलें हैं, तुम्हारे जीवन में क्या समस्याएं हैं और हम उन्हें कैसे हल कर सकते हैं।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा और एक ओर आपके शहंशाह... नरेंद्र मोदी हैं। महलों में रहते हैं। आपने कभी टीवी पर उनका चेहरा देखा है? एकदम साफ सुथरा सफेद कुर्ता, एक दाग नहीं है धूल का कुर्ता पर। एक बाल इधर से उधर नहीं होता है। वहां कैसे समझ पाएंगे आपकी मजदूरी, आपकी खेती। कैसे समझ पाएंगे कि आप किस दलदल में धंसे हुए है। महंगाई से दब चुके हो। मोदी सरकार को महंगाई के मुद्दे पर घेर कर प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, पेट्रोल-डीजल का दाम क्या है मेरे किसान भाइयों? किस तरह से गुजारा कर रहे हो। खेती के हर सामान पर जीएसटी है। हर सामान महंगा हो चुका है। मेरी बहनें, अगर कोई त्यौहार होता है...कुछ खरीदना पड़ता है... नए कपड़े, बच्चों के लिए कोई वर्दी खरीदनी पड़ती है, फीस भरनी पड़ती है, कोई बीमार पड़ जाता है... इलाज करानी पड़ती है, तब क्या हालत होती है।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने बीजेपी पर निशाना साधकर कहा, जब ये लोग संविधान बदलने की बात करते हैं, उसका मतलब है कि वे आपके अधिकारों को छीनना चाहते हैं। पीएम मोदी ने पिछले 10 साल में लोगों के अधिकार कम करने का काम किया है। पहले के पीएम लोगों के बीच गांवों में जाते थे, लोगों की बातें और उनकी समस्याएं सुनते थे। गुजरात ने पीएम मोदी को सबकुछ दिया, सत्ता दी। पर अब आप उन्हें देखते हैं, वह बड़े-बड़े लोगों के साथ दिखते हैं, पर कभी किसानों या गरीबों के बीच नहीं दिखाते हैं। अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी वह किसी गरीब के घर नहीं गए।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, लाखों किसान पीएम के घर से 4 किमी दूर

आंदोलन करते हैं, तब भी वह उनसे मिलने नहीं जाते। जब पीएम मोदी को पता चलता है कि चुनाव आ रहा है, वोट नहीं मिल रहा तब कानून बदल देते हैं।

आग से तबाह हो रहे जंगलों ने बढ़ाई टेंशन, अब तक लाखों हेक्टेयर जंगल का इलाका हुआ नष्ट

नई दिल्ली।

उत्तरखंड के जंगलों में लगी आग ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। यहां 2001 से अब तक लाखों हेक्टेयर जंगली इलाका आग से तबाह हुआ है। यह जंगल की आग के मैनेजमेंट को लेकर चल रहे मुकदमों पर भी ध्यान खींचता है। भारत में, आग का मौसम आमतौर पर फरवरी के अंत में शुरू होता है और लगभग 12 सप्ताह तक रहता है। हर साल, यह जंगलों, वन्यजीवों और लोगों के जीवन को तबाह कर जाता है। 2001 से अब तक भारत ने 38.1 किलो हेक्टेयर वन क्षेत्र को जंगल की आग के कारण खो दिया है।

2008 में हुआ था सर्वाधिक नुकसान

सबसे ज़्यादा नुकसान 2008 में हुआ था, जब आग ने 30 लाख हेक्टेयर जंगल को राख में बदल दिया था। लेकिन उसके बाद, नुकसान में कमी आई और 2013 में यह 0.6 किलो हेक्टेयर तक कम हो गया। लेकिन हाल के आंकड़े चिंताजनक हैं। दुर्भाग्य से, 2023 वह साल बन गया है, जब पृथ्वी पर जंगल की आग ने सबसे ज्यादा तबाही मचाई है। वन निगरानी वॉच के आंकड़े बताते हैं कि इस साल आग की वजह से कुल 11.9 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो गए। ये आंकड़ा जंगलों को हुए कुल नुकसान का 42 प्रतिशत है। ग्लोबल फ़ॉरेस्ट वॉच के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में जंगल की आग से 2.13 किलो हेक्टेयर जमीन जल गई। अकेले उत्तराखंड में अप्रैल के आखिरी सप्ताह तक 8 नई जंगल में आग लगने की घटनाएं सामने आईं। इन आगों ने 11.75 हेक्टेयर वन क्षेत्र को नष्ट कर दिया। 2001 से 2023 तक, ओडिशा और अरुणाचल प्रदेश जंगल की आग से सबसे अधिक प्रभावित राज्य रहे हैं। इन राज्यों में आग के कारण 200 हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र नष्ट हो गया है। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के अनुसार, 1 मई 2023 और 29 अप्रैल 2024 के बीच भारत में 12,689 जंगल की आग के अलर्ट दर्ज किए गए। इनमें से अकेले इस साल 29 अप्रैल तक 8,967 अलर्ट दर्ज किए गए। 2012 और 2023 के बीच, 2021 में जंगल की आग के अलर्ट (23,388) सबसे ज़्यादा थे। पिछ्ले चार हफ्तों में, कर्नाटक में 80 जंगल की आग के अलर्ट दर्ज किए गए, जो भारत में सभी अलर्ट का 2.4 प्रतिशत है। यह 2012 के बाद से ऐतिहासिक गणनाओं की तुलना में काफी अधिक संख्या है।

फॉरेस्ट मॉनिटरिंग वॉच के आंकड़ों के अनुसार, सिर्फ 25 अप्रैल से 2 मई 2024 के बीच ही भारत में 38,885 जंगल की आग अलर्ट दर्ज किए गए। पिछ्ले चार हफ्तों में इक्काडोर में दर्ज जंगल की आग अलर्ट दुनिया भर के आग अलर्ट का 0.27 प्रतिशत था, जो सबसे अधिक है। 2001 से 2023 के बीच वैश्विक स्तर पर करीब 28 प्रतिशत वन क्षेत्र जंगल की आग की भेंट चढ़ चुका है। रूस और कनाडा में जंगल की आग से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

सिर्फ 2023 में कनाडा में ही आग ने 7,757.4 किलो हेक्टेयर वन क्षेत्र को खाक कर दिया। रूस, ब्राजील, बोलीविया, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश भी जंगल की आग की इस समस्या से बुरी तरह जूझ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कूनो सफारी पार्क से भागकर करौली पहुंचा नामिबियाई चीता....गांव में दहशत

वन विभाग की टीम चीते को पकड़ने में जुटी

करौली । श्योपुर जिले में स्थित कूनो सफारी पार्क से एक अफ्रीक चीता भागकर राजस्थान पहुंच गया है। इस नामिबियाई चीते ने करौली जिले के करणपुर इलाके के सिमारा गांव में डेरा डाल दिया है। शनिवार को सुबह इलाके में चीते के घुसने की सूचना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सूचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग और पुलिस की टीम चीते को पकड़ने का प्रयास कर रही है। लोगों से सावधानी बरतने और चीते से पर्याप्त दूरी बनाए रखने की अपील की है। कूनो सफारी पार्क से भटकते हुए करौली पहुंचने की सूचना है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है चीतें को पकड़कर वापस कूनो पहुंचाया जाएगा। इस बीच मध्य प्रदेश के वन विभाग की एक टीम भी सिमारा गांव पहुंच गई। पुलिस और ग्रामीणों चीते से पर्याप्त दूरी बनाए हुए हैं। वन विभाग की टीम चीते को ट्रेंकुलाइज कर वापस कूनो पहुंचाने के प्रयास में जुटी है। चीते के क्षेत्र में आने की सूचना से लोगों में दहशत है। करौली वाइल्ड लाइफ उपवन संरक्षक पीयूष शर्मा ने बताया कि किसी जंगली जानवर के सिमारा गांव में पहुंचने की सूचना मिली। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जानवर की पहचान नर चीता के रूप में हुई है।

अनुपमा' सीरियल से विख्यात हुई रूपाली गांगुली ने मनसुख मांडविया के लिए किया रोड शो

पोरबंदर . गुजरात में 7 मई को मतदान से पहले प्रत्येक उम्मीदवार वोटरों को रिझाने की हरसंभव कोशिशों में जुटे हुए हैं. पोरबंदर से भाजपा प्रत्याशी मनसुख मांडविया ने भी प्रचार में पूरी ताकत लगा दी है. मनसुख मांडविया के समर्थन में रूपाली गांगुली ने रोड शो किया और भाजपा को वोट देकर पीएम मोदी के हाथ मजबूत करने की लोगों से अपील की. टीवी पर प्रसारित होती 'अनुपमा' धारावाहिक से घर घर विख्यात हुई रूपाली गांगुली को देखने पोरबंदर की सड़कों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. रूपाली गांगुली ने 7 मई को घरों से निकल अपने मताधिकार का उपयोग करने की लोगों से अपील की.

पतंजलि-एसआरएम सेंटर के बीच करार, औषधियों का करेंगे नैदानिक परीक्षण

नई दिल्ली। पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन और चेन्नई का 'एसआरएम सेंटर फॉर क्लिनिकल ट्रायल एंड रिसर्च' अब मिलकर आयुर्वेदिक औषधियों का नैदानिक परीक्षण करेंगे। इसके लिए दोनों पक्षों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन की ओर से पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि अनुसंधान संस्थान के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ अनुराग वार्ष्णेय तथा 'एसआरएम सेंटर फॉर क्लिनिकल ट्रायल्स एंड रिसर्च' की ओर से डॉ नितिन एम. नागरकर, डॉ सत्यजीत महापात्र एवं डॉ सरस्वती त्रिपाठी इस मौके पर मौजूद रहे। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि यह समझौता आयुर्वेद के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा और यह संयुक्त प्रयास आयुर्वेद के पुनरूत्थान में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं डॉ नितिन एम नागरकर ने कहा कि यह समझौता भारतीय पुरातन चिकित्सकीय विज्ञान आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मां वैष्णो देवी यात्रा के लिए बैटरी कार के किराए में बढ़ोतरी

कटड़ा। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा अर्ध कुंवारी से भवन के बीच चलने वाली बैटरी कार सेवा के किराए में करीब 27 फीसदी की बढ़ोतरी की जा रही है। किराए की नई दरें पहली जुलाई से लागू होंगी। अब मां वैष्णो देवी के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की जेब पर बोझ बढ़ जाएगा। जानकारी के अनुसार मां वैष्णो देवी यात्रा के लिए अर्ध कुंवारी से भवन के बीच बैटरी कार से जाने के लिए श्रद्धालुओं को 357 रुपए चुकाने होते हैं, लेकिन आ 1 जुलाई से इस यात्रा के लिए श्रद्धालुओं को 450 रुपए चुकाने होंगे। वहीं विपरीत दिशा में भवन से अर्ध कुंवारी के लिए एक श्रद्धालु को अभी 236 रुपए का भुगतान करना पड़ता है लेकिन पहली 1 जुलाई से इस यात्रा के लिए 300 रुपए चुकाने होंगे। 1 जुलाई से ऑनलाइन बैटरी कार बुकिंग में 30 फीसदी का कोटा सीनियर सिटीजन व दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए होगा जिसकी बुकिंग करते समय श्रद्धालुओं को प्रमाणपत्र श्राइन बोर्ड की आधिकारिक साइट पर अपलोड करना होगा। हाल ही में श्राइन बोर्ड बैठक में साल भर दिव्यांग श्रद्धालुओं को निःशुल्क बैटरी कार सेवा उपलब्ध करवाने का फैसला लिया गया है। वहीं दिव्यांग श्रद्धालुओं को निःशुल्क बैटरी कार सेवा मई से शुरू कर दी गई है।

कांग्रेस नेता थरुर ने बताया कैसा होगा इंडिया गठबंधन का प्रधानमंत्री

नई दिल्ली ।

लोकसभा चुनाव में दो चरणों के मतदान के बाद से सत्ता और विपक्ष दोनों जीत का दम भर रहे हैं। मोदी सरकार 400 पार का दावा कर रही है। वहीं दूसरी ओर इंडिया गठबंधन दिल्ली की कुर्सी पर बैठने की बात कर रहा है। इस बीच कांग्रेस के तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने बताया कि अगर विपक्षी एकता जीत गई, तब उनका पीएम कैसा होगा। थरूर ने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार में लोगों को ऐसा प्रधानमंत्री मिलेगा, जो सभी को समान भाव से देखता हो और दूसरों की बात सुनता हो। कांग्रेस के नेता थरूर ने कहा है कि एक साथ या एक-दूसरे के खिलाफ प्रचार कर रहे विपक्षी दल लोकसभा चुनाव के बाद साथ आ जाएंगे। थरूर ने कहा कि गठबंधन सरकार को लेकर डर की कोई बात नहीं है। थरूर ने कहा कि एक पार्टी की सरकारों की तुलना में ऐसी (गठबंधन) सरकारों के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन बेहतर होता है।

थरूर ने कहा कि यह परिवर्तन का चुनाव है, और भाजपा ने विमर्श पर अपनी पकड़ खो दी है। थरूर ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने के पार्टी के फैसले का बचाव कर कहा कि निमंत्रण को अस्वीकार करना सही था क्योंकि यह प्रधानमंत्री मोदी के महिमामंडन के लिए आयोजित एक राजनीतिक समारोह था। उन्होंने कहा कि मेरे विचार से अगर हमने ऐसा किया होता, तब यह एक गलती होती।

थरूर ने कहा कि यह सच है कि गठबंधन सरकार एकदलीय सरकार से बहुत अलग तरह से काम करती है। उन्होंने कहा कि मोदी की शैली, उनके व्यक्तित्व और भाजपा के शासन के तरीके को देखते हुए, मुझे लगता है कि यह कहना उचित होगा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बीते 10 वर्ष की इस सरकार से बहुत अलग होगी। थरुर ने कहा कि गठबंधन सरकारों के साथ भारतीय जनता का रिकॉर्ड और अनुभव काफी अच्छा रहा है। थरूर ने कहा, गठबंधन सरकार का एक लाभ यह होगा कि जो भी प्रधानमंत्री बनेगा वह निरंकुश प्रवृत्ति का नहीं होगा। उस पीएम को दूसरों को ध्यान में रखना होगा।

सच कहूं तब, यह शासन की संसदीय प्रणाली का उत्कृष्ट राजनीतिक सिद्धांत है। अभी हम कई देशों में राष्ट्रपति के तहत चलने वाली संसदीय व्यवस्था देख रहे हैं, जो बहुत खराब है। थरूर ने कहा कि मुझे लगता है कि गठबंधन सरकार को लेकर डर की कोई बात नहीं है।

मैंने जिन मतदाताओं से बात की उनमें से अधिकतर की सोच थी कि मैं जिस उम्मीदवार को वोट दे रहा हूं वह कौन है, वह किन मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है, उसके जीतने से दिल्ली में किसकी सरकार बनेगी और वह सरकार कैसे काम करेगी।

कांग्रेस को झटका, पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी ने किया चुनाव लड़ने से इनकार

- पार्टी से पैसे न मिलने से नहीं कर पा रही थीं चुनाव प्रचार

पुरी।

लोकसभा चुनाव के दो चरणों के मतदान हो चुका है। इस लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस का झटके पर झटके लग रहे हैं। कहीं नेता कार्यकर्ता पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी ज्वाइन कर रहे हैं तो कहीं प्रत्याशी अपने नाम वापस ले रहे हैं। इसी बीच अब कांग्रेस को एक ओर जोरदार झटका लगा है। ओडिशा की पुरी सीट से कांग्रेस उम्मीदवार ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। लोकसभ चुनाव-2024 का तीसरा चरण का मतदान 7 मई होने वाला है इससे पहले विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को झटका लगा है। सूरत और इंदौर के बाद अब ओडिशा की हॉट सीट मानी जा रही पुरी से कांग्रेस के उम्मीदवार ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। कांग्रेस ने पुरी लोकसभा सीट से सुचारिता मोहंती को मैदान में उतारा था। कांग्रेस उम्मीदवार सुचारिता ने पार्टी को टिकट लौटाते हुए अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। बता दें कि इस सीट से बीजेपी के दिग्गज नेता संबित पात्रा चुनाव मैदान में हैं। सुचारिता के नाम वापस लेने से बीजेपी के संबित पात्रा की राह आसान हो गई है। बताया जा रहा है पैसों की कमी का हवाला देते हुए ओडिशा की पुरी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सुचारिता मोहंती ने मतदान से पहले ही मैदान छोड़ दिया है। इससे पहले गुजरात की सूरत और मध्य प्रदेश की इंदौर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी ने अपना नाम वापस ले लिया था। सूरत में तो बीजेपी प्रत्याशी को विजयी भी घोषित कर दिया गया है।

सुचारिता मोहंती ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल को एक पत्र लिखकर अपने फैसले से अवगत करा दिया है। लोकसभा चुनाव की उम्मीदवारी का टिकट लौटाते हुए पुरी से सुचारिता मोहंती ने कहा कि चुनाव लड़ने के लिए उन्हें पार्टी की तरफ से मिलने वाली राशि नहीं दी गई है। पैसे न मिलने की वजह से वह चुनाव प्रचार नहीं कर पा रही हैं। पुरी लोकसभा सीट पर 25 मई को मतदान होना है। मतदान से पहले ही कांग्रेस को यह झटका लगा है।

युवती का आरोप.....सास ने 25 हजार रुपये में किया अंडाणु का सौदा

नर्स के बयान से हूआ मामले का खुलासा

जयपुर । राजस्थान की राजधानी जयपुर में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवती ने अपने ससुराल वालों पर डॉक्टर से मिलाकर एग (अंडाणु) बेचने का आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि 25 हजार रुपये में उसके अंडाणुओं का सौदा किया गया। उसकी बिना मर्जी के अंडाणु निकालकर बिक्री की गई। पीड़ित युवती की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित युवती का कहना है कि उसके ससुराल में सोनिया नामक महिला सास से मिलने आती थी। दोनों ने मिलकर उस साजिश के तहत अस्पताल भेजा। पीड़िता का कहना है कि मुझे शारीरिक रूप से कोई परेशानी ही नहीं थी। इसके बावजूद सोनोग्राफी और मेडिकल चेकअप कराए गए। 31 मार्च से लेकर 5 अप्रैल तक लगातार डॉक्टरों के पास ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने कुछ कागजातों पर दस्तखत भी कराए थे। पीड़िता का आरोप है कि जांच के नाम पर मुझे इंजेक्शन लगाए जाते थे। एक बार पेट में इंजेक्शन लगाने पर वह बेहोश हो गई थी। बेहोशी की हालत में ही शायद अंडाणु निकाल लिए गए थे। इसके बाद डॉक्टरों ने प्रतिदिन एक इंजेक्शन लगाने की बात कही। पीड़िता का कहना है कि पहले वे शारीरिक रूप से फिट थी, लेकिन जब से डॉक्टर के पास जाने लगी। तब से पेट में दर्द होने लगा। पीड़ित युवती के मुताबिक, 5 अप्रैल को वह अपने पिता के घर गई और अस्पताल नहीं गई। इस पर हॉस्पिटल की दो नर्स घर पहुंची और इंजेक्शन लगाने की बात कही। युवती ने इंकार किया तब झगड़ा होने लगा। इस पर नर्स ने बताया कि तुम्हारी सास ने अंडाणु बेचने का सौदा किया है। युवती और उनके परिवार वालों ने अंडाणु निकाले जाने की बातें सुनी तब उनके होश उड़ गए। वहीं अस्पताल प्रबंधन युवती की ओर से लगाए गए आरोप को बेबुनियाद बता रहा है। वहीं पुलिस का कहना है कि उक्त महिला और ससुराल वालों के बीच विवाद चल रहा है।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर जूता फेंकने वाला पकड़ाया, समर्थकों ने पीटा

-पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर जांच शुरु की

आगरा। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य जो अपने विवादित बयानों के चलते हमेशा चर्चा में बने रहते हैं। वह अक्सर धर्म को लेकर बीजेपी पर निशाना साधते रहते हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य यूपी के आगरा में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे उसी समय एक युवक ने उन पर जूता फेंका। वहां मौजूद स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थकों ने उस युवक को पकड़कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। भीड़ को रोकने ने लिए पुलिस को सख्ती दिखानी पड़ी और युवक को बचाकर पुलिस हिरासत में ले लिया। सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य शुक्रवार को आगरा के थाना डोकी क्षेत्र में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मौर्य की पार्टी ने होतम सिंह निषाद को यहां से चुनाव मैदान में उतारा है। जनसभा के दौरान अचानक भीड़ से उठकर एक युवक ने स्वामी प्रसाद मौर्य पर जूता फेंक दिया। इस घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने जूता फेंकने वाले युवक को हिरासत में ले लिया। इस दौरान आरोपी युवक ने नारेबाजी भी की.। इसी बीच स्वामी प्रसाद के समर्थकों ने युवक को लात घूंसों से पीटा। पुलिस ने समर्थकों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन समर्थक उग्र हो गए। एक दारोगा ने उग्र भीड़ को देखते हुए पिस्टल तक निकाल ली। इसके बाद पुलिस आरोपी को अपने साथ थाने ले गई। एसीपी फतेहाबाद अमरदीप ने बताया कि स्वामी प्रसाद मौर्य की जनसभा चल रही थी। उसी दौरान एक युवक ने उन पर जूता फेंक दिया था। आरोपी का नाम धर्मेंद्र धाकड़े है। मामले की जांच की जा रही है कि वह किस संगठन से जुड़ा हुआ है।

शरद पवार ने उद्धव को कमरे से बाहर निकाला? वीडियो वायरल

बीजेपी बोली-दोनों दलों और नेताओं के बीच सबकुछ ठीक नहीं

मुंबई।

महाराष्ट्र के कद्दावर नेता शरद पवार और यूटीबी नेता उद्धव ठाकरे का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। महाराष्ट्र बीजेपी प्रवक्ता ने दावा किया है कि शरद पवार इस वायरल वीडियो में उद्धव ठाकरे को अपने कमरे से बाहर निकलने के लिए कह रहे हैं। इस वीडियो पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही हैं। वायरल वीडियो में शरद पवार की अपील पर उद्धव हाथ जोड़कर प्रतिक्रिया देते हुए कहते हैं, ठीक है, मैं बाहर हूं।

आपको बता दें कि बॉडी लैंग्वेज से दोनों नेताओं की बातचीत सहस और सामन्य लग रही है। यह वायरल वीडियो छोटा है। बीजेपी ने 12 सेकेंड का वीडियो जारी करते हुए दोनों नेताओं के रिश्ते पर सवाल खड़े कर दिए हैं। महाराष्ट्र बीजेपी ने दावा किया है कि दोनों दलों और नेताओं के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। महाराष्ट्र बीजेपी के प्रवक्ता जितेन गजारिया ने कहा कि शरद पवार ने विनम्रतापूर्वक उद्धव ठाकरे को बाहर निकलने के लिए कहा क्योंकि वह व्यस्त दिख रहे हैं। एक हैंडल ने वीडियो को इस कैप्शन के साथ शेयर किया-शरद पवार द्वारा उद्धव ठाकरे के साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है। एक्स पर पोस्ट में एक यूजर ने लिखा-क्या गिरावट है! शरद पवार ने विनम्रतापूर्वक उद्धव ठाकरे को बाहर इंतजार करने के लिए कहा! वीडियो को करीब से देखने पर पता चलता है कि शरद पवार ने बस उद्धव को कुछ समय के लिए इंतजार करने के लिए कहा। उद्धव ने सरलता से जवाब भी दिया, मैं आसपास हूं।

दूसरी बार भाजपा में शामिल हुए लवली

-दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष पद से पहले ही दे चुके थे इस्तीफा

-कांग्रेस के 5 अन्य नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

नई दिल्ली।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर कयासों का बाजार गरम करने वाले अरविंदर सिंह लवली आखिकार भाजपा में शामिल हो गए। इसी के साथ लवली के अगले कमद को लेकर जारी अटकलों का दौर भी थम गया। लवली के साथ ही कांग्रेस नेता राजकुमार चौहान, तीन बार के विधायक रहे नसीब सिंह, अमित मलिक, और नीरज बैसोया ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है।

तमाम कयासों और अटकलों को विराम लगाते हुए दिल्ली कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली शनिवार 04 मई को भाजपा में शामिल हो गए। उनके साथ में कांग्रेस नेता नसीब सिंह नीरज बसोया और राजकुमार चौहान ने भी भाजपा ज्वाइन कर ली है। यह उनका भाजपा में दूसरी बार शामिल होने का कार्यक्रम है। इससे पहले भी वो कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो चुके थे। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव से पहले अरविंदर सिंह लवली ने दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष का पद त्याग दिया था। उन्होंने कांग्रेस प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया और उम्मीदवार उदित राज, कन्हैया कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए यह कदम उठाया था। यह अलग बात है कि भाजपा में शामिल हुए लवली ने पार्टी छोड़ने के बाद इस पर कुछ नहीं कहा, अलबत्ता वो कह रहे हैं कि पहले भी मैंने स्पष्ट किया था और अपने इस्तीफे के साथ भेजे पत्र में भी मैंने कहा था कि अगर

मैं कहीं शामिल होना चाहता हूं तो मुझे एक लाइन का इस्तीफा लिखने से कौन रोक रहा। लवली कहते हैं कि इस्तीफे में कारण इसलिए दर्शाए गए हैं ताकि शायद उन्हें दुरुस्त कर लिया जाए। जिस प्रकार से लोगों को बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा, उससे यदि पीड़ा ना होती तो क्यों पद छोड़ते। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें थोड़े ही पार्टी से बाहर निकाला जा रहा था। यह फैसला उनका अपना है।

गाजियाबाद में दूषित पानी पीने से सैकड़ों लोग बीमार, स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची

पानी के सैंपल लिए, सोसायटी के लोगों ने बिल्डर पर लगाए आरोप

गाजियाबाद।

गाजियाबाद में इंदिरापुरम की साया गोल्ड सोसाइटी में दूषित पानी पीने से सैकड़ों लोग बीमार हो गए। यह मामला सामने आने आते ही स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। सोसाइटी में स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची और जांच कर बीमार लोगों का उपचार कराया गया। जानकारी के मुताबिक इंदिरापुरम की हाईराइज सोसाइटी साया गोल्ड में पिछ्ले कई दिनों से बच्चे और बुजुर्ग बीमार हो रहे थे। सभी में बीमारी के एक जैसे लक्षण उल्टी, दस्त, डायरिया, बुखार जैसी समस्याएं सामने आ रही थीं। जब लोगों ने इस पर गौर किया तो पता चला कि दूषित पानी की वजह से यह सब बीमार हो रहे है। इसके बाद मामले की शिकायत आरडब्ल्यूए से की गई। स्थानीय लोगों का कहना है बिल्डर से पानी को लेकर पहले शिकायत की जा चुकी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ितों का कहना है कि सोसायटी में सैकड़ों लोग बीमार हैं। बीमारी के चलते लोग काम पर नहीं जा पा रहे हैं। हर महीने सोसाइटी मेंटेनेंस फंड के नाम पर हजारों रुपए बिल्डर को दिए जाते हैं। ऐसे में बिल्डर स्वच्छ पानी तक उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। खराब पानी पीने से बच्चे, बुजुर्ग व महिलाएं बीमार हो रही है। लोगों का यह भी आरोप है कि बिल्डर से यदि कोई शिकायत की जाती है तो वह बाउंसर बुलाकर लोगों को डराता धमकाता है। वहीं सोसायटी में लोगों के बीमार होने की शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बीमार लोगों का इलाज किया। अधिकारियों ने बताया कि पानी के सैंपल लिए गए हैं। सोसायटी में दो दिन तक स्वास्थ्य विभाग की टीम हेल्थ कैंप लगाएगी। 48 घंटे बाद पानी के सैंपल की जांच रिपोर्ट आएगी उसके बाद जो दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

अमेरिकन एयर फोर्स के एआई संचालित एफ-16 लड़ाकू जेट ने भरी उड़ान

वाशिंगटन। अमेरिका की वायुसेना ने एक एआई संचालित प्रायोगिक एफ-16 लड़ाकू जेट को उड़ाने में सफलता हासिल कर ली है। इस जेट की खासीयत यह है कि इसे मानव पायलट द्वारा नहीं, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा नियंत्रित किया गया। उड़ान भरे विमान में देश की वायुसेना के सचिव फ्रैंक केंडल सवार थे। इसे एआई सैन्य विमानन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धी माना जा रहा है। यह अलग बात है कि इसकी प्रौद्योगिकी पूरी तरह से विकसित नहीं हुई है, लेकिन अमेरिकी वायुसेना ने साल 2028 तक एआई संचालित 1,000 से अधिक मानवरहित युद्धक विमानों को संचालित करने का लक्ष्य रख कार्य शुरु कर दिया है। जानकारी अनुसार प्रायोगिक एफ-16 लड़ाकू जेट ने एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस से उड़ान भरी। इसमें सवाल फ्रैंक केंडल ने भविष्य के हवाई युद्ध में एआई संचालित युद्धक विमानों की भूमिका को बरीकी से जांचने के लिए ही विमान में उड़ान भरी थी। दरअसल केंडल ने उड़ान पूरी करने के बाद कहा, कि इसे सेवा में न रखना एक सुरक्षा जोखिम है, इसलिए यह हमें जरूर मिलना चाहिए। एआई-नियंत्रित एफ-16 को 'विस्टा' नाम दिया गया। बताया गया है कि इस विमान ने 550 मील प्रति घंटे से भी अधिक की गति से उड़ान भरी थी, जो कि सफल रही।

गाजा के पुनर्निर्माण में 40 अरब डॉलर का अनुमानित खर्च आएगा : संयुक्त राष्ट्र

अम्मान। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने बताया कि युद्धग्रस्त गाजा के पुनर्निर्माण में अनुमानित 30 अरब डॉलर से 40 अरब डॉलर (2.5 से 3.5 अरब रुपये) की लागत आएगी। रिपोर्ट में बताया गया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यह पहली बार होगा जब इतने बड़े पैमाने पर कोशिश होगी। संयुक्त राष्ट्र के सहायक महासचिव अब्दुल्ला अल-दारदारी ने कहा, गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम का प्रारंभिक अनुमान 30 अरब डॉलर से 40 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। दारदारी ने कहा, विनाश का पैमाना बहुत बड़ा और अभूतपूर्व हैज यह एक ऐसा मिशन है जिसे वैश्विक समुदाय ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से नहीं निपटाया है। उन्होंने कहा कि अगर गाजा का पुनर्निर्माण सामान्य प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है, तब इसमें दशकों लग सकते हैं, और फिलिस्तीनी लोगों के पास दशकों तक इंतजार करने की सुविधा नहीं है। उन्होंने कहा कि बमबारी और विस्फोटों से पैदा मलबा कुल अनुमानत: 37 मिलियन टन होगा। उन्होंने कहा, 'हम एक विशाल आंकड़े के बारे में बात कर रहे हैं और यह आंकड़ा हर दिन बढ़ रहा है। नवीनतम आंकड़ों से संकेत मिलता है कि यह पहले से ही 40 मिलियन टन के करीब पहुंच रहा है। दारदारी ने कहा कि सभी आवासीय भवनों में से 72 प्रतिशत पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट हो गए हैं। उन्होंने कहा कि, हमें पता नहीं है कि युद्ध समाप्त होगा भी या नहीं। गाजा पट्टी में युद्ध के बाद किस प्रकार की सरकार बनेगी उसके ऊपर निर्भर रहेगी।

कोरल गैबल्स की संपत्ति में हो रहा तेजी से इजाफा, अमीरी के मामले में न्यूयॉर्क और कैलीफोर्निया को पीछे छोड़ा

न्यूयॉर्क। अमेरिका में कोरल गैबल्स फ्लोरीडा का मियामी के दक्षिण-पश्चिम का इलाका है जहां की आबादी करीब 50 हजार के लगभग है। लेकिन हाल के समय में इस इलाके की सम्पत्ति में तेजी से इजाफा हुआ जिसने अमीर पड़ोस होने के मामले में न्यूयॉर्क और कैलीफोर्निया तक को पीछे छोड़ दिया है। हाल ही में इसने कैलिफ़ोर्निया और न्यूयॉर्क के क्षेत्रों के इलाकों को पछाड़ा है। नए जिलो डेटा के अनुसार, कोरल गैबल्स का आलीशान मियामी-क्षेत्र अब इस समूह में सबसे आगे है, जहां अमीर गैबल्स एस्टेट में औसत संपत्ति 1.914 करोड़ डॉलर यानी 15 करोड़ 98 लाख रुपयों की हो गई है। कोरल गैबल्स ने जिन समृद्ध क्षेत्रों में पीछे छोड़ा है उनमें से एक कैलिफ़ोर्निया का जाने माने बेवर्ली हिल्स की सम्पत्ति भी शामिल है।अब अमेरिका के दस सबसे महंगे इलाकों में से सात फ्लोरिडा में हैं, जबकि कैलिफोर्निया में अन्य तीन हैं। मार्च 2020 में पहली महामारी के बंद होने से ठीक पहले, दस सबसे महंगी जगहों में छह कैलिफ़ोर्निया ने में थे। न्यूयॉर्क शहर ने नाम दो थे। लेकिन अब ऐसा लगता है कि सनशाइन स्टेट की ओर पलायन हो गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि इस नए रुझान को फैरेल, एलेक्स रोड्रिग्ज और मार्क एंथोनी सहित क्षेत्र में निवास करने वाली विशाल ए-सूची सेलिब्रेटीज की मदद मिली है। बर्कशायर हैथवे होमसर्विसेज ईडब्ल्यूएम रियल्टी के अध्यक्ष और सीईओ रॉन शफील्ड ने कहा, कोविड खरीदारों के इस पूरे नए समूह को लाया है, जिन्हें एहसास हुआ कि वे जहां भी रहना चाहते हैं, रह सकते हैं। शफील्ड का कहना है कि फ्लोरिडा राज्य ने जिस तरह से कोविड को संभाला, वह दुनिया को एक संदेश था कि यह एक व्यापार अनुकूल राज्य हैं। वह आज भी जारी है। मियामी हेराल्ड के अनुसार, स्पैनिश ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम के सीईओ राउल अलारकोन ने हाल ही में अपनी भव्य हवेली को 7 करोड़ डॉलर 5 करोड़ 43 लाख रुपयों में सूचीबद्ध किया है। फ्लोरिडा में एकल-परिवार वाले घर की बिक्री 2021 में 814 से घटकर 2022 में 425 और फिर 2023 में सिर्फ 357 रह गई।

जापान में है 700 साल पुराना तलाक मंदिर, मंदिर जापान के कामाकुरा शहर में है स्थित

टोक्यो। हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे तलाक मंदिर कहा जाता है। इस मंदिर का नाम मात्सुगाओका टोकेई-जी है। यह जापान में स्थित है। 12वीं और 13वीं शताब्दी के दौरान जापानी समाज में केवल पुरुषों के लिए ही तलाक की व्यवस्था थी।

उन दिनों पुरुष अपनी पत्नियों को बहुत आसानी से तलाक दे सकते थे, लेकिन इस मंदिर के दरवाजे उन महिलाओं के लिए खुले थे जो घरेलू हिंसा या दुर्व्यवहार की शिकार थीं। तलाक मंदिर थोड़ा अजीब जरूर लगता है, लेकिन इसके पीछे भी एक कहानी है। लोगों की मानें तो टोकई-जी का इतिहास करीब 700 साल पुराना है। यह मंदिर जापान के कामाकुरा शहर में स्थित है। यह मंदिर घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं का घर माना जाता है। कहा जाता है कि सदियों पहले महिलाएं अपने अत्याचारी पतियों से छुटकारा पाने के लिए इस मंदिर में शरण लेती थीं। बता दें कि इस मंदिर का निर्माण काकुसन नाम की नन ने अपने पति होजो टोकिमुन के साथ मिलकर करवाया था। वह न तो अपने पति से खुश थी और न ही उसके पास तलाक लेने का कोई रास्ता था। जापान में कामाकुरा युग के दौरान, महिलाओं के पति बिना कोई कारण बताए अपनी शादी तोड़ सकते थे। इसके लिए उन्हें साढ़े तीन लाइन का नोटिस लिखना पड़ा। लोगों के श्वद्ध इस मंदिर में महिलाएं करीब तीन साल तक रहकर अपने पति को तलाक दे सकती थीं। बाद में इसे घटाकर दो साल कर दिया गया। वर्ष 1902 तक मंदिर में पुरुषों का प्रवेश सख्त वर्जित था। लेकिन इसके बाद, जब 1902 में एंगाकु-जी ने मंदिर पर कब्जा कर लिया, तो उन्होंने एक पुरुष मठाधीश को नियुक्त किया। बता दें कि दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जो अपने अजीब इतिहास के लिए जानी जाती हैं। भारत में ही आपको ऐसी कई जगहें मिल जाएंगी।

पर्यावरण अभियानकर्ता लंदन, ब्रिटेन में उच्च न्यायालय के बाहर तख्तियां लेकर खड़े हुए। लंदन के उच्च न्यायालय ने फ्रेंड्स ऑफ द अर्थ, क्लाइंटअर्थ और गुड लॉ द्वारा लाई गई कानूनी चुनौती में फैसला सुनाया है कि ब्रिटेन की नवीनतम जलवायु कार्रवाई योजना गैरकानूनी है।

संघर्ष विराम के लिए तुर्की ने इजरायल पर शिकंजा कसा

इस्तांबुल। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग को रोकने के लिए कई देश प्रयास कर चुके हैं। कुछ ने अपने स्तर पर इजरायल पर शिकंजा भी भी कसा। तुर्की शांति के लिए इजराइल के खिलाफ कुछ फैसले लिए हैं। तुर्की व्यापार मंत्रालय के अनुसार, गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों के खिलाफ इजरायली हमले के कारण तुर्की ने गुरुवार को इजरायल के साथ सभी व्यापारिक गतिविधियां रोक दीं। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा है कि इजरायल के साथ व्यापार निलंबित करने के तुर्की के फैसले का एक ही मकसद था। इजरायल सरकार को गाजा पट्टी में युद्धविराम के लिए मजबूर करना। उन्होंने शुक्रवार को इस्तांबुल में इंडिपेंडेंट इंडस्ट्रियलिस्ट्स एंड बिजनेसमैन एसोसिएशन के निदेशक मंडल के साथ बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि सरकार इस बात पर व्यापारिक समुदाय के साथ विचार करेगी कि इजरायल के साथ व्यापार रोकने का अर्थव्यवस्था पर कितना असर पड़ेगा।

भारत की ए1 डिप्लोमेसी का एक और नजारा, ईरान की कैद से 17 भारतीयों को मिली आजादी, दुनिया हैरान!

ओटावा (एजेंसी)। एक बार फिर भारत ने बड़ी जीत अपने नाम की है। भारत ने अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी पक्की कर ली है। अरब सागर में मौजूद वो जहाज जिसे ईरान ने अपने कब्जे में लिया था उस पर 17 हिंदुस्तानी सवार थे। अब खबर आई है कि सभी के सभी भारतीयों को अब ईरान ने आजाद कर दिया है। लंबे संघर्ष और बातचीत के कई दौर के बाद पूरे 17 भारतीय नागरिकों की रिहाई पक्की हो गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से लगातार ईरान के साथ संपर्क साधा गया था। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुद अपने समकक्ष ईरानी विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियन के साथ कई बार फोन पर बातचीत की। इस बातचीत में शिप पर सवार भारतीयों की सुरक्षा को लेकर जानकारी हासिल की गई। उनकी रिहाई को लेकर ईरान से बात भी की थी।

ईरान ने कहा है कि उसने पुर्तगाली ध्वज वाले मालवाहक जहाज एमएससी एरीज़ के सभी चालक दल के सदस्यों को रिहा कर दिया है, जिसके 25 चालक दल में से 17 भारतीय थे। रानी रीडआउट के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियन ने अपने एस्टोनियाई समकक्ष मार्गस त्साहकना के साथ फोन पर बातचीत के दौरान जहाज के चालक दल की रिहाई का उल्लेख किया। इजरायल से जुड़े कंटेनर जहाज के 17 भारतीय चालक दल के सदस्यों में से एकमात्र महिला कैडेट एन टेसा जोसेफ को 13 अप्रैल

को ईरान की सेना द्वारा टैंकर को जब्त करने के कुछ दिनों बाद रिहा कर दिया गया था। ईरान के इस्लामी गणराज्य के क्षेत्रीय जल में जब्त किए गए पुर्तगाली जहाज और एस्टोनियाई चालक दल की रिहाई के संबंध में एस्टोनियाई पक्ष के अनुरोध के जवाब में अमीरबदोल्लाहियन ने कहा कि जहाज ने ईरान के जल क्षेत्र में अपने रडार को बंद कर दिया था और नेविगेशन की सुरक्षा को खतरे में डाला। जिसके बाद न्यायिक नियमों के तहत हिरासत में लिया गया है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि ईरान ने मानवीय आधार पर पहले ही जहाज के सभी चालक दल के सदस्यों को रिहा कर दिया है, और यदि जहाज के कप्तान उनके साथ जाते हैं, तो एस्टोनियाई सहित चालक दल अपने देश लौट सकते हैं। ईरानी सेना द्वारा जहाज को जब्त करने के कुछ घंटों बाद, व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने कहा था कि जहाज के चालक दल में भारतीय, फिलिपिनो, पाकिस्तानी, रूसी और एस्टोनियाई नागरिक शामिल थे।

अमेरिका में फलस्तीन का समर्थन करने वाले ढाई हजार छात्र गिरफ्तार

लास एंजिलिस (एजेंसी)। अमेरिका में फलस्तीनियों के समर्थन में तमाम शैक्षणिक संस्थाओं में धरना प्रदर्शन किए जा रहे हैं। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि अमेरिका इन आंदोलनकारियों की आवाज दबाकर आंदोलन को कुचलने की कोशिश की जा रही है। शुक्रवार सुबह न्यूयार्क विश्वविद्यालय में पहुंची पुलिस ने वहां चल रहे फलस्तीन समर्थक धरने को खत्म करा दिया और एक दर्जन छात्रों को गिरफ्तार कर लिया। न्यूयार्क के न्यू पॉज स्थित स्टेट यूनिवर्सिटी में भी 133 लोगों को गिरफ्तार किए जाने की सूचना है। इस प्रकार से गिरफ्तार छात्र-छात्राओं की कुल संख्या 2,500 से ज्यादा हो गई है।

पुलिस ने 40 स्थानों से आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया है। ये आंदोलनकारी इजरायल के साथ कारोबार करने वाली कंपनियों के बहिष्कार का आह्वान भी कर रहे हैं। इन आंदोलनों पर राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि अमेरिका में विरोध प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन अराजकता फैलाने, हिंसा करने और सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लॉस एंजिलिस पुलिस ने बताया है कि गुरुवार को कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से 210 लोग गिरफ्तार किए गए और अन्य संस्थाओं में कार्रवाई कर सैकड़ों और गिरफ्तार किए गए। बीते दो हफ्तों में अमेरिका के ज्यादातर विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में गाजा में इजरायली हमले के विरोध में आंदोलन हुए हैं और दर्जनों स्थानों पर धरने दिए गए हैं। ओरेगोन के पोर्टलैंड विश्वविद्यालय में भी पुलिस ने वहां से बेरिकेडिंग हटाई है और वहां धरना दे रहे छात्रों को हटाया है। न्यू हैंपशायर के डार्टमुथ विश्वविद्यालय में पुलिस ने कार्रवाई कर 100 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। फलस्तीनियों के समर्थन में आंदोलन के चलते अमेरिकी शिक्षण संस्थाओं में पढ़ाई और अन्य गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। इसके चलते प्रशासन को कई पूर्व नियोजित कार्यक्रम रद करने पड़े हैं। इससे पहले कोलंबिया विश्वविद्यालय में दंगा निरोधी पुलिस ने कार्रवाई कर छात्रों के कब्जे से आइवी स्कूल भवन को मुक्त कराया था। उस दिन पुलिस ने विश्वविद्यालय परिसर में फायरिंग भी की थी लेकिन कोई घायल नहीं हुआ। गुरुवार-शुक्रवार को कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के साथ ही कई अन्य शिक्षण संस्थाओं में पुलिस ने बल प्रयोग कर आंदोलनकारी छात्रों के धरने हटाए और उन्हें गिरफ्तार किया।

निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा पुलिस ने तीन आरोपी गिरफ्तार किए

ओटावा। पिछले साल कनाडा के के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच काफी तनाव आ गया था। बाद में भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया था। अब कनाडा पुलिस ने निज्जर की हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अदालत के दस्तावेजों से पता चलता है कि निज्जर की हत्या के मामले में करणप्रीत सिंह (28), कमलप्रीत सिंह (22) और करण बराड़ (22) पर हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप है। निज्जर (45 वर्षीय) को 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गुरुद्वारे के बाहर गोली मार दी गई थी। वह कनाडा का नागरिक था। रॉयल कैनेडियन माउंटेन पुलिस ने इन संदिग्धों की तस्वीर भी जारी की है। जांचकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि भारत सरकार ने इन लोगों को निज्जर की हत्या का काम सौंपा था।

इंग्लैंड में सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी की करारी हार...सुनक पर चुनाव करने का दबाव

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड में स्थानीय चुनावों में सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी की करारी हार हुई है। इसके बाद ब्रिटेन की लेबर पार्टी ने प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से आम चुनाव कराने का आग्रह किया। टोरीज ने जिन सीटों पर चुनाव लड़ा उसमें से लगभग आधी सीटें हार गईं। इसके विपरीत, लेबर ने उन परिषदों में जीत हासिल की जो पार्टी के पास दशकों से नहीं थीं। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने कहा कि यहां ब्लैकपूल से एक तरह का संदेश सीधे प्रधानमंत्री सुनक को दिया गया है। स्टार्मर ने कहा कि यह सीधे तौर पर सुनक को कहा गया कि हम आपके डाउनफॉल, आपकी अराजकता और आपके विभाजन की नीतियों से तंग आ चुके हैं, हम बदलाव चाहते हैं।

सुनक के पास आम चुनाव की तारीख तय करने की शक्ति है, लेकिन चुनाव अगले साल 28 जनवरी से पहले आयोजित होना चाहिए। कंजर्वेटिव पार्टी के अध्यक्ष रिचर्ड होल्डन ने कहा कि यह एक कठिन रात थी। राष्ट्रीय सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लेबर पार्टी 20 प्रतिशत अंक आगे है।

सप्ताहांत में नतीजे आते रहने वाले हैं, जिसमें लंदन में प्रमुख मेयर पद की प्रतियोगिता भी शामिल है, जहां लेबर के सादिक खान को फिर से चुने जाने की उम्मीद है। अन्यत्र, मध्यमार्गी लिबरल डेमोक्रेट और ग्रीन पार्टी ने भी लाभ कमाया, जैसा कि रिफॉर्म यूके ने किया, जो कंजर्वेटिव मतदाताओं को दाईं ओर ले जाने की कोशिश कर रहा है।

भारत ने की थी चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश... खालिस्तानियों का जिक्र कर कनाडा जांच आयोग ने किया बेबुनियाद दावा

लंदन (एजेंसी)। भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद के बीच ओटावा के आयुक्त के नेतृत्व में एक स्वतंत्र सार्वजनिक जांच में दावा किया गया है कि भारत देश में खालिस्तानी अलगाववादियों पर अपनी चिंताओं के बीच कनाडाई राजनेताओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रहा है। कमिश्नर मैरी-जोसी हॉग की अंतरिम रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार, कनाडा स्थित प्रॉक्सी समेत भारतीय अधिकारी कई गतिविधियों में शामिल हैं। ये विभिन्न मुद्दों पर ओटावा की स्थिति को नई दिल्ली के हितों के साथ ÷संरेखित÷ करने के लिए कनाडाई समुदायों और राजनेताओं को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि कनाडा के पिछले दो संघीय चुनावों, 2019 और 2021 में विदेशी हस्तक्षेप के सबूत थे। हालांकि, चुनाव परिणाम प्रभावित नहीं हुए और चुनावी प्रणाली मजबूत थी।

194 पन्नों की रिपोर्ट में कुल 43 बार भारत का जिक्र किया गया। प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया कि कनाडा में भारत की रुचि कनाडा के बड़े दक्षिण एशियाई समुदाय से संबंधित है। भारत इन समुदायों के एक हिस्से को भारत विरोधी भावना को बढ़ावा देने वाले के रूप में देखता है और भारत की स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत खालिस्तानी अलगाववाद से जुड़े किसी भी व्यक्ति को देश के लिए ÷देशद्रोही खतरे÷ के रूप में देखता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत वैध खालिस्तान समर्थक राजनीतिक वकालत और अपेक्षाकृत छोटे कनाडा स्थित खालिस्तानी हिंसक उग्रवाद के बीच अंतर नहीं करता है।

कनाडाई रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया कि भारतीय विदेशी हस्तक्षेप का निशाना अक्सर इंडो-कैनेडियन समुदाय के सदस्य थे। लेकिन, प्रमुख गैर-भारत-कनाडाई भी भारत की विदेशी प्रभाव गतिविधियों के अधीन हैं। इसमें कहा गया है कि ये गतिविधियाँ कनाडा के लोकतांत्रिक संस्थानों को प्रभावित करने के उद्देश्य से नहीं हो सकती हैं, लेकिन फिर भी महत्वपूर्ण हैं। कनाडा में भारतीय अधिकारी विदेशी हस्तक्षेप करने के लिए कनाडाई और कनाडाई-आधारित प्रॉक्सी और उनके नेटवर्क में संपर्कों पर तेजी से भरोसा कर रहे हैं। यह भारत और विदेशी हस्तक्षेप गतिविधियों के बीच किसी भी स्पष्ट संबंध को अस्पष्ट करता है। प्रॉक्सी भारत और भारत में भारतीय खुफिया अधिकारियों के साथ संपर्क करते हैं और काम करते हैं कनाडा, उनसे स्पष्ट और अप्रत्यक्ष दोनों दिशा-निर्देश ले रहा है।

शहबाज जाएंगे, नवाज आएंगे, पाकिस्तान में फिर होगा चुनाव?

प्योंगयांग (एजेंसी)। कंगाल, बदहाल और दाने-दाने को मोहताज मुल्क पाकिस्तान में वैसे तो खाने के लिए भी पैसे नहीं हैं। वहां की आवाम महंगाई पर त्राहिमाम कर रही है। लेकिन पाकिस्तान के हुक्मरानों को वहां के लोगों की परवाह कहां है। उन्हें तो अपनी हुकूमत अपनी शान और पार्टी की तरक्की से मतलब है। इसकी तरफ तब दिखी जब हाल ही में पाकिस्तान में मध्याविधी चुनाव की आहट सुनाई पड़ी। हाल ही में चुनाव में हुए धांधली और फर्जीवाड़े के जरिए आवाम के साथ किए गए मजाक की पूरी दुनिया में खूब किरकिरी हुई। लेकिन चुनाव के नाम पर किए गए धोखे के बाद भी पाकिस्तान को अपनी ऊंगली पर नचाने वाली सेना के मंसूबे उतने हद तक कामयाब नहीं हो पाए। इसलिए पाकिस्तान में फिर से चुनाव की बात अब उठने लगी है। चुनाव के नाम हुए धांधली की नई कहानी लिखी जा रही है। इलेक्शन को लेकर इंटरनेशन बेइज्जती के बावजूद चुनाव कराने का दंभ भरा जा रहा है।

चुनाव की बात नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएनएल ने उछाली है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता जावेद लतीफ ने अपनी ही केंद्र सरकार के लिए खतरे की घंटी बजा दी है और संकेत दिया है कि देश के प्रधान मंत्री के रूप में नवाज शरीफ के चौथे कार्यकाल का मार्ग प्रशस्त करने के लिए अगले दो वर्षों के भीतर शीघ्र चुनाव हो सकते हैं।सत्तारूढ़ पार्टी के वरिष्ठ नेता और नवाज शरीफ के करीबी जावेद लतीफ ने इसको लेकर एक इंटरव्यू में दावे किए हैं। उन्होंने कहा कि नवाज शरीफ चौथी बार प्रधानमंत्री बनने वाले थे। लेकिन हमारी पार्टी 8 फरवरी को हुए चुनाव में स्पष्ट बहुमत हासिल करने में कामयाब नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि चाहे चुनाव दो या पांच साल में हों, पीएमएल-एन सुप्रीमो चौथी बार सत्ता की बागडोर संभालेंगे। नवाज दो साल के भीतर शीर्ष स्थान कैसे हासिल कर सकते हैं, खासकर जब उनके अपने भाई इस पर काबिज हैं, तो लतीफ ने कहा कि यह चुनाव के जरिए संभव होगा। चुनाव कल भी हो सकते हैं। उन्होंने भविष्यवाणी की कि यहां तक ??कि जो लोग एक बार प्रधानमंत्री के रूप में चौथे कार्यकाल के लिए नवाज की राह में बाधा बने थे, वे भी अब उनके पीछे रैली करेंगे।

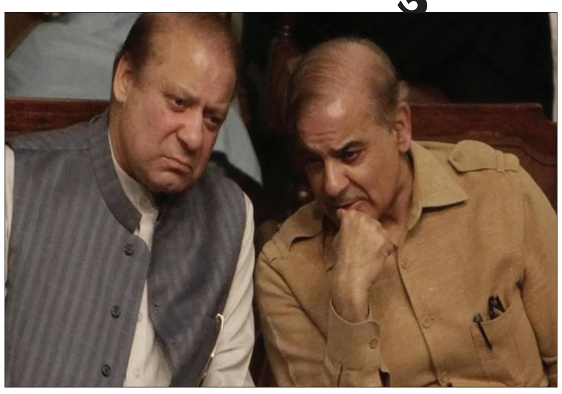

संपादकीय

वैक्सीन की चिंता

जब कोरोना वैक्सीन को लेकर शिकायतों और चर्चा का माहौल गरम है, तब पूरी सतर्कता के साथ विचार करने की जरूरत है। एस्ट्राजेनेका कंपनी ने जब से यह माना है कि उसके द्वारा निर्मित वैक्सीन कोविशील्ड की वजह से विरल मामलों में कुछ लोगों को नुकसान की आशंका है, तब से पूरा टीकाकरण अभियान ही सवालों के घेरे में है। लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं और अपने-अपने नुकसान का आकलन भी कर रहे हैं। ब्रिटेन में एस्ट्राजेनेका को अनेक मुकदमों का सामना करना पड़ रहा है और सजा के तौर पर उसे बड़े पैमाने पर मुआवजा चुकाने की भी जरूरत पड़ सकती है। खैर, मुकदमे और मुआवजे अपनी जगह हैं, पर लोगों में मन में जो शंकाएं घर कर गई हैं, उन पर सावधानी से सोचने की जरूरत है। लगभग सभी चिकित्सकों का यही मानना है कि टीका लेने के बाद चालीस दिन में साइड इफेक्ट सामने आ जाते हैं, पर जब टीका लगे दो साल से ज्यादा समय बीत चुका है, तब साइड इफेक्ट की चर्चा का बहुत महत्व नहीं है। वैसे, साइड इफेक्ट को साबित करने का काम आसान नहीं है। हमने यह देखा है कि महामारी ने उन लोगों को ज्यादा परेशान किया था, जिन्हें पहले से कोई बीमारी थी। ऐसे लोगों को टीका लेते समय भी सावधान रहने के लिए कहा गया था, उम्र या वर्ग के हिसाब से धीरे-धीरे लोगों को टीके दिए गए थे। टीका देते समय और उसके ठीक बाद तात्कालिक रूप से लोगों की निगरानी भी की गई थी। अत- भारत में साइड इफेक्ट की शिकायत अगर सामने आई है, तो उसका पूरी तरह से वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए। फिलहाल यह मुद्दा चुनाव में भी गरम है, पर यह आगामी केंद्र सरकार के लिए एक गंभीर विषय होना चाहिए। चिकित्सकों की संस्था को गोपनीयता बरतते हुए वैक्सीन के दुष्प्रभावों का अध्ययन करना चाहिए। भारत में किसी बड़ी दवा कंपनी के खिलाफ खुले रूप में जांच करना असहज स्थिति पैदा कर सकता है। दरअसल, यह शिकायत आम लोगों का विषय नहीं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों का विषय है। आम लोगों की शंकाओं को भी तभी दूर किया जा सकता है, जब शिकायतों का विशेषज्ञता के साथ अध्ययन किया जाए। यह अच्छी बात है कि एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड कोविड-19 वैक्सीन के संभावित दुर्लभ दुष्प्रभावों की रिपोर्ट के बीच 'कोवैक्सिन' विकसित करने वाले संस्थान भारत बायोटेक ने बयान में कहा है कि कोवैक्सीन का पूरी तरह से परीक्षण किया गया था। कोविशील्ड और कोवैक्सीन का ही भारत में सर्वाधिक उपयोग हुआ था। मतलब, फिलहाल कोविशील्ड लेने वाले चिंता में हैं, जबकि कोवैक्सीन लेने वाले थोड़े आश्वस्त हैं। वास्तव में, एस्ट्राजेनेका को विशेष तौर पर लोगों की शंकाओं को दूर करना चाहिए। उसकी वजह से कई देशों में करोड़ों लोग शंकाग्रस्त हैं। भारत सरकार को भी ब्रिटेन में चल रहे मुकदमों पर नजर रखनी चाहिए। अगर एस्ट्राजेनेका की गलती सामने आती है, तो भारत को भी अपने हिसाब से इस कंपनी से निपटना होगा। यह एक ऐसा मामला है, जो हमें अपने स्वाथ्य के प्रति सजग बनाता है। किसी भी दवा को लेने की स्थिति में दुष्प्रभावों को लेकर हमें सजग होना चाहिए। पश्चिम में लोग अपनी शारीरिक या स्वास्थ्य पैमानों को लेकर जागरूक हैं, तभी वे दवा कंपनियों या अस्पतालों को गलती होने पर कठघरे में खड़ा कर पाते हैं। लोगों को सजग होना चाहिए, ताकि चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता को पूरी तरह से सुनिश्चित किया जा सके।

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यो में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

हंसी ही दुनिया को एकजुट करने में सक्षम

(लेखक- ललित गर्ग)

(विश्व हंसी दिवस, 5 मई, 2024 पर विशेष)

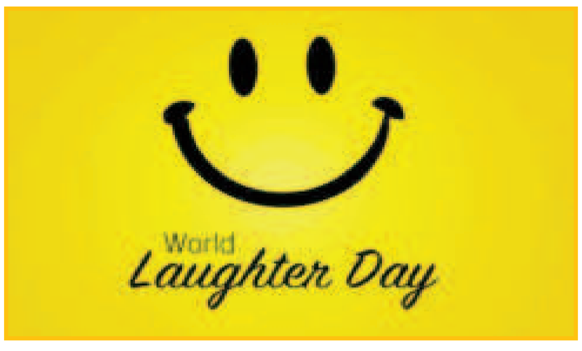

विश्व हास्य दिवस एक उपहार है एवं बिना खर्च के खुशियाँ मनाने एवं हंसकर तनाव दूर करने का विलक्षण एवं अद्भुत दिन है। यह हमें एकजुट करता है, जीवन को बेहतर बनाता है। मई महीने के पहले रविवार को मनाये जाने वाला यह दिन हंसने-हंसाने के बहुत सारे अवसर प्रदत्त कर अच्छे स्वास्थ्य, मानसिक शांति एवं समग्र विकास को सुनिश्चित करता है। हंसने-हंसाने से तन-मन में उत्साह का संचार होता है, वहीं दिल से हंसना भी किसी दवा से कम नहीं है। अध्ययन के मुताबिक, जो लोग अक्सर हंसते हैं वे अधिक समय तक जीवित रहते हैं, बेहतर, समृद्ध और खुश रहते हैं साथ ही उनकी ऊर्जा भी काफी सकारात्मक होती है। दूसरे आप पर हंसकर आपको दु:खी करें, तनाव दें, उससे पहले खुद पर हंसना सीखें। आप खुद अपनी कमियों पर हंसकर उसे अवसर के रूप में देखें। ज्यादातर लोग दूसरों की हंसी को काफी गंभीरता से लेते हैं और दुखी हो जाते हैं। जबकि खुद पर हंसना आपको अधिक संवेदनशील, जुझारू, जीवट वाला, स्वस्थ और अधिक प्रामाणिक होने में सक्षम बनाता है। विश्व हास्य दिवस मुस्कुराने का बहाना ही नहीं, एक प्रेरणा एवं जिजीविषा है। इस दिन को अमल में लाने का क्रेडिट हास्य योग आंदोलन के संस्थापक डॉ. मदन कटारिया को जाता है। जिन्होंने ही मुंबई में पहली बार 11 जनवरी 1998 को विश्व हास्य दिवस को मनाया था। जिसका खास उद्देश्य समाज में बढ़ते तनाव, अशांति, चिन्ता एवं परेशानियों को कम करके उन्हें सुखी जीवन जीने की सीख देना था। क्योंकि हँसना सभी के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं बौद्धिक विकास में अत्यंत सहायक है। हंसी हमारे जीवन की सफलता की चाबी है, वह अनेक समस्याओं का समाधान भी है। हंसी दुखी दिल के घावों को भरने वाला मलहम है। हमारे चेहरे का व्यायाम है और मन का आराम। शोध कहते हैं कि जैसे-जैसे हम बड़े हो रहे हैं, हमारा हंसना कम हो रहा है। इसी पर लेखक मिशेल प्रिटचार्ड कहती हैं, 'हम इसलिए कम नहीं हंसते कि हम बूढ़े हो गए हैं। हम बूढ़े ही इसलिए हुए कि हमने हंसना बंद कर दिया है।' आज का इंसान अपनी मुस्कुराहट व हँसी को भूलता जा रहा है, फलस्वरूप तनावजन्य बीमारियाँ, जैसे- उच्च रक्तचाप, शुगर, माइग्रेन, हिस्टीरिया, पागलपन, डिप्रेशन आदि को निमंत्रण दे रहा है। हँसने से ऊर्जा और ऑक्सीजन का संचार अधिक होता है। शरीर में से दूषित वायु बाहर निकल जाती है। हमेशा खुलकर हँसना शरीर के सभी अवयवों को ताकतवर और पुष्ट करता है। साथ ही शरीर में रक्त संचार की गति को बढ़ाता है। इसके अलावा पाचन तंत्र अधिक कुशलता से कार्य करता है। इसलिये डॉक्टर भी हर बीमारी के रोगी के लिये हास्य को उपयोगी बताते हैं। जो लोग हमें हंसाते हैं, वे हमारी स्मृतियों में रच-बस जाते हैं। हम किसी को पसंद या नापसंद कई कारणों से कर सकते हैं। पर लंबे समय तक हमारे प्रेम के हकदार वे लोग बनते हैं, जो हमें हंसाते हैं और हमारे चेहरे की हंसी बन जाते हैं। शायद इसीलिए विक्टर बोर्ग कहते हैं, 'हंसी दो लोगों के बीच की दूरी को पार करने का सबसे छोटा पुल है।' हंसना एक ऐसा बेशकीमती उपहार है, जो कुदरत ने केवल मनुष्य को ही बख्शा है। हास्य एक सार्वभौमिक भाषा है। इसमें जाति, धर्म, रंग, लिंग से परे रहकर मानवता को समन्वय करने की क्षमता है। यह इंसान से इंसान को जोड़ने का उपक्रम है। हंसी विभिन्न समुदायों को जोड़कर नए विश्व का निर्माण करने में सक्षम हैं। यह विचार भले ही काल्पनिक लगता हो, लेकिन लोगों में गहरा विश्वास है कि हंसी ही दुनिया को एकजुट कर सकती है। इसीलिये मार्टिन लूथर ने कहा है कि यदि मुझे स्वर्ग में हंसने की आज्ञा न हो तो मैं स्वर्ग नहीं जाऊंगा। उदासी और बेचैनियों के बादल छाए रहते हैं, हंसी की धूप खिल नहीं पाती। लेखिका एमिली मिचेल कहती हैं, 'हंसी के बिना बीता दिन, अंधेरे में रहने जैसा है, आप अपना रास्ता ढूंढ़ने की कोशिश तो करते हैं, पर उसे साफ-साफ नहीं देख पाते।' हंसना एक ऐसा सकारात्मक भाव एवं ऊर्जा है जो व्यक्ति के न केवल आंतरिक बल्कि बाहरी स्वरूप को प्रभावी, समृद्धिशाली एवं तेजस्वी बनाता है। हास्य एक शक्तिशाली भावना है जिसमें व्यक्ति को ऊर्जावान और संसार को शांतिपूर्ण बनाने की क्षमता हैं। यह व्यक्ति के विद्युत-चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित करता है और व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। जब व्यक्ति समूह में हंसता है तो उसकी हंसी से सकारात्मक ऊर्जा सम्पूर्ण परिवेश में व्याप्त हो जाती है। दुनिया में सुख एवं दु:ख दोनों ही धूप-छाँव की भाँति आते-जाते हैं। यदि मनुष्य दोनों परिस्थितियों में हँसमुख रहे तो उसका मन सदैव काबू में रहता है व वह चिंता से बचा रह सकता है। हंसने से आत्मा खिल उठती है। इससे आप तो आनंद पाते ही हैं दूसरों को भी आनंदित करते हैं। हास-परिहास पीड़ा का दुश्मन है, निराशा और चिंता का अचूक इलाज और दु:खों के लिए रामबाण औषधि है। हंसी एक उत्तम टॉनिक का काम करती है। लंदन विश्वविद्यालय की प्रोफेसर सोफी स्कॉट कहती हैं कि, 'हंसी के द्वारा हमारा अवचेतन मन ये संकेत देता है कि, हम सुकून में हैं और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जापान में भगवान बुद्ध के शिष्य थे होतेई। वह बड़े अलमस्त स्वभाव के भिक्षुक थे। वह बेहद निर्लिप्त और निरपेक्ष भाव से जीवन जीने में विश्वास रखते थे। वह जिस कार्य को करते, उसमें पूरी तरह डूब जाते थे, तन्मय हो जाते। जापान में ऐसी मान्यता है कि एक बार होतेई मेडिटेशन करते-करते इतने रोमांचित हो गए कि ध्यानावस्था में जोर-जोर से हंसने लगे। इस अद्भुत घटना के उपरांत ही लोग उन्हें लाफिंग बुद्धा के नाम से संबोधित करने लगे। घूमना-फिरना, देशाटन करना, लोगों को हंसाना व खुशी प्रदान करना लाफिंग बुद्धा का ध्येय बन गया। चीन में लाफिंग बुद्धा को पुताई के नाम से भी जाना जाता है। चीनी लोग उन्हें एक ऐसे भिक्षुक के नजरिए से देखते हैं, जो एक हाथ में धन-धान्य का थैला लिए, चेहरे पर खिलखिलाहट बिखेरे अपना बड़ा पेट और थुलथुल बदन दिखाकर सभी को हंसाते हुए सकारात्मक ऊर्जा देते हैं। वे समृद्धि व खुशहाली के संदेशवाहक और घरों के वास्तुदोष निवारण के प्रतीक भी माने जाते हैं। जापान जैसे देशों में लोग अपने बच्चों को प्रारंभ से ही हँसते रहने की शिक्षा देते हैं, ताकि उनकी भावी पीढ़ी सक्षम एवं तेजस्वी हो। दुनिया के अधिकतर देश आतंकवाद, हिंसा, युद्ध एवं महामारियों के डर से सहमे हुए हैं, ऐसे समय विश्व हास्य दिवस की अत्यधिक आवश्यकता महसूस होती है। इससे पहले दुनिया के लोगों में इतनी घबराहट और अशांति कभी नहीं देखी गई। आज हर व्यक्ति के अंदर घबराहट और अशांति का कोहराम मचा हुआ है। ऐसे दौर में केवल हंसी ही दुनियाभर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर टेरीजा एमाबाइल ने कहा है कि, हँसते समय हमारा दिमाग सबसे अधिक क्रिएटिव होता है। हमें न केवल पारिवारिक परिवेश में बल्कि ऑफिस में हंसी-मजाक को बढ़ावा देना चाहिए। ऑफिस का माहौल मेल-जोल और हंसी मजाक वाला हो, जिससे टीम के बीच काम के प्रति उत्साह का संचार हो सके। खूबसूरत चेहरे के लिए हंसना कारगर साबित हो सकता है। हंसने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है। मेडिकल प्रयोगों में पाया गया है कि, 10 मिनट तक हंसते रहने से दो घंटे की गहरी नींद आती है। हंसने वाले व्यक्तियों के कई सारे मित्र बन जातें हैं और इस प्रकार उनमें भाईचारा और एकता की भावना कब उत्पन्न होती हैं, पता ही नहीं चलता। हर व्यक्ति के जीवन में हड़कंप मचा हुआ है। तब 'हास्य दिवस' की अत्यधिक आवश्यकता महसूस होती है। इससे पहले इस दुनिया में इतनी अशांति कभी नहीं देखी गई। इस व्यस्त, अशांत एवं तनावग्रस्त जिंदगी में लोग कम से कम एक दिन तो अपने लिए निकालें और जी भरकर हंसे और हंसायें। तभी ओशो ने कहा है कि जब आप हंसने के पश्चात शांत हो जाएंगे तो यह महसूस करेंगे कि, पूरा विश्व, ये पेड़-पौधे, सितारे, पत्थर, पर्वत, सब आपके साथ हंस रहे हैं।

मिलावट इतनी कि शुद्ध खाएं, फिर भी बीमार हो जाएं

नरेश कौशल

डेढ़ साल की राबिया को क्या पता था कि जब वह पटियाला से ननिहाल के लाड़-प्यार की मिठास से भरी चॉकलेट लुधियाना आकर खाएगी तो उसकी जान पर बन आएगी। दुर्भाग्य से इस लाड़-प्यार के रिश्तों के बीच बेरहम बाजार आ गया। बाजार जो सिर्फ मुनाफे का पीर है। कोई मासूम मरे या जीये, उसकी बला से। चॉकलेट खाकर बच्ची बहुत बीमार हो गई। बड़े अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने किसी जहरीली चीज खाने की बात कही। बात चॉकलेट की आई, रैपर देखा गया तो चॉकलेट की एक्सपाइरी डेट छह महीने पहले खत्म हो चुकी थी। यह दुखद संयोग ही है कि पिछले दिनों पटियाला में ही जन्मदिन पर ऑनलाइन मंगवाए गए केक को खाने से एक 'बर्थडे गर्ल' की मौत हो गई थी। जांच पड़ताल के बाद पता चला था कि किसी बेकरी का मालिक दूसरी जगह से अलहदा नाम से बेकरी का सामान ऑनलाइन बेच रहा था। पक्की बात है, ये कानून से बचने-बचाने की तरकीब थी। इस चाकलेट व केक बेचने वाली दुकानों का इलाका पटियाला में पीली सड़क के आसपास का ही है। यह संयोग ही है कि पिछले कुछ अरसे से देश में कई ऐसे खुलासे हुए, जिनमें बताया गया कि दशकों से हम जिन उत्पादों को तंदुरुस्ती संवारने वाला मानते आ रहे थे, वे तो सेहत के लिये नुकसानदायक निकले। पहले खुलासा हुआ कि बॉर्नविटा व सेरेलेक्स में बहुराष्ट्रीय कंपनियां आवश्यकता से अधिक शूगर मिलाकर विकासशील व गरीब मुल्कों के बच्चों के जीवन से खिलवाड़ कर रही हैं। यह भी खुलासा हुआ है कि व्यंजनों को लजीज बनाने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व पाचन सुधारने वाले कुछ कंपनियों के मसालों में सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले तत्व पाये गए हैं। मसालों को सुरक्षित रखने के लिये कीटनाशक जैसे पदार्थ मिलाए गए हैं। भारत में तो लोग जैसे-तैसे इन्हें खा ही रहे हैं अब तो दुनिया के कई मुल्कों में भी दो भारतीय मसाला कंपनियों की साख पर सवाल उठाये जा रहे हैं। सिंगापुर व हांगकांग का दावा है कि दो भारतीय कंपनियों के मसाला पैकेटों में सेहत के लिये हानिकारक पदार्थ पाए गए हैं। सैकड़ों सालों से भारत की पहचान रहे मसाले न केवल रोगनाशक बल्कि इम्यूनिटी बढ़ाने वाले भी होते हैं। याद करें कि कोरोना संकट में इन मसालों ने ही देश के लोगों का मनोबल बनाये रखने में खासी मदद की। आये दिन हम मिलावटी खानपान की चीजों की बरामदगी की खबरें पढ़ते हैं। कुछ लोग बीमार होते हैं, कुछ अपना जीवन गवां बैठते हैं। लेकिन सुनने में नहीं आया कि किसी हादसे के बाद किसी की जवाबदेही तय करके बड़ी सजा दी गई हो। ऐसी सजा जो दोषियों के लिये सबक का फैसला साबित हो। आज आखिर बचा ही क्या है बिना मिलावट के? दूध, बेसन, घी, पनीर, खोया, दवाइयां, दैनिक जरूरत की चीजें आटा, चावल व दालें भी मिलावट की चपेट में हैं। यहां तक कि पानी तक में मिलावट है। इस मिलावट का ही असर है कि कम उम्र में लोग बड़ी उम्र की बीमारियों से पीड़ित होने लगे हैं। जिन अधिकारियों व कर्मचारियों पर खाने-पीने की चीजों की निगरानी की जिम्मेदारी है, वे होली-दीवाली पर दिखावटी अभियान चलाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेते हैं और जेबें भी भर लेते हैं। कुछ स्थानों पर छापेमारी होती है और कुछ जगह नमूने भरे जाते हैं। फिर ढाक के वही तीन पात। होना तो यह चाहिए कि शासन-प्रशासन ऐसे सख्त कदम उठाये कि कोई फिर से मिलावट करने का दुस्साहस न कर सके। वैसे लोगों को सचेत करने की भी जरूरत है। यह कैसी अजीब स्थिति है कि अब तक हम जिन प्रॉडक्ट को दशकों से सेहत के लिये वरदान मानते रहे हैं, अब खुलासा हुआ कि वे तो सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। ऐसे कई देसी-विदेशी उत्पादों के खुलासे एक साथ हुए। इसी कड़ी में उत्तराखंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है कि राज्य सरकार ने पतंजलि आयुर्वेद के 14 उत्पादों का निर्माण लाइसेंस निलंबित किया है। राज्य सरकार की ओर से बताया गया है कि स्टेट लाइसेंसिंग अथॉरिटी की ओर से भ्रामक प्रचार मामले में दिव्य फार्मेसी और पतंजलि आयुर्वेद के उत्पाद मामलों में यह कार्रवाई की गई है। जो भी हो, सुप्रीम कोर्ट ने इस साल न्यायिक जिम्मेदारी का नमूना पेश किया। जिस तरह पतंजलि आयुर्वेद के कर्ताधर्ताओं की क्लास लगाई, उसे पूरे देश ने देखा और मीडिया के जरिये आम लोगों ने महसूस किया। लेकिन अदालत ने इसमें याचिका दायर करने वाली आईएमए को भी नहीं बख्शा। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि एक उंगली यदि बाबा रामदेव की तरफ उठी तो चार तुम्हारी तरफ भी उठी हैं। तुम्हारा दामन भी पाक साफ नहीं है। नाराज न्यायाधीशों ने कहा कि आखिर कौन दवा कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए महंगी-महंगी दवाएं लिखता है? इसी बीच खबर आई कि बच्चों के लिये स्वास्थ्यवर्धक बताये जाने वाले बॉर्नविटा की पड़ताल में पता चला कि उसमें चीनी की मात्रा यूरोपीय व अमेरिकी देशों में बेचे जाने वाले उत्पाद के मुकाबले काफी ज्यादा थी। चीनी की यह मात्रा एशिया व अफ्रीका के गरीब मुल्कों में बेचे जाने वाले बॉर्नविटा में भारत से भी ज्यादा थी। लेकिन यूरोप व अमेरिकी देशों में बॉर्नविटा में यह मात्रा स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप ही रही। बाद में कंपनी ने दावा किया कि भारत में बेचे जाने वाले बॉर्नविटा में चीनी की मात्रा तीस प्रतिशत कम कर दी गई है। कभी संपन्न वर्ग के बच्चों का पसंदीदा स्वास्थ्यवर्धक पेय बताये जाने वाला बॉर्नविटा स्टेटस सिंबल माना जाता था। बड़े मोहक व भ्रामक विज्ञापन इसकी तारीफ में गढ़े जाते रहे हैं। गरीब बच्चों के लिये तो बॉर्नविटा का स्वाद चखना एक सपना हुआ करता था। कई पुराने फिल्मी व टीवी कलाकार उपभोक्ताओं को लुभाने के लिये अपनी प्रतिभा का इस्तेमाल करते रहे। इसी तरह यूरोपीय कंपनी नेस्ले ने भी अपने उत्पादों में चीनी व अन्य हानिकारक पदार्थ हटाने की बात कही थी। सवाल है कि भारत में खाने-पीने की क्वालिटी की निगरानी करने वाली एजेंसियां क्यों चुप्पी साधे बैठी रहती हैं। अपने-आप पहल करते हुए तथाकथित विदेशी सेहत बढ़ाने वाले प्रॉडक्ट तथा स्वदेशी आयुर्वेदिक दवाओं की गुणवत्ता की पड़ताल क्यों नहीं करतीं? यदि बच्चों को दिये जाने वाले कथित पेय पदार्थों में वास्तव में नुकसानदायक पदार्थ मौजूद हैं तो फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने जांच क्यों नहीं की? क्यों करोडों भारतीयों बच्चों की सेहत को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया? एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह भी है कि देश के शहरों-कस्बों में कथित खानदानी वैद्य, चमत्कारी इलाज, यौवन और ताकत की दवाएं बेचते रहते हैं। कुछ धर्म परिवर्तन कराने वाले भी चमत्कारी इलाज का दावा करते हैं। उनकी निगरानी करने वाला कोई महकमा अभी तक नहीं बना। वे सीधे-साधे ग्रामीणों को छलते रहते हैं। इतना ही नहीं, ट्रेनों व बसों में कथित हकीम दवा बेचते और इलाज की शर्तिया गारंटी देते मिलेंगे। इन दवाओं को खाने से कई लोगों के लीवर व किडनी तक खराब हो जाते हैं। लेकिन सेहत से खिलवाड़ की जवाबदेही तय करने वाला कोई विभाग नहीं बना।

विचार मंथन

मतदाता का अधिकार है मतदान, निर्वाचित प्रतिनिधि को मिलते हैं मतदाताओं के अधिकार

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय संविधान में मतदाताओं को अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार दिया गया है। निर्वाचित प्रतिनिधि अपने संसदीय अथवा विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के अधिकार का प्रयोग करते हुए संसद और विधानसभा में जो भी कानून बनाए जाते हैं उसमें मतदान करते हैं। बहुमत के आधार पर लोकतांत्रिक व्यवस्था के कानून और नियम बनाने के अधिकार मिलते हैं। जब भी संसद और विधानसभा में कानून बनाए जाते हैं, बहुमत के आधार पर कानून और नियमों को स्वीकृति प्रदान की जाती है। तभी वह लागू होते हैं। मतदाता जब तक अपने इस अधिकार को गंभीरता के साथ नहीं समझेगा तब तक उसके साथ हमेशा इसी तरह का धोखा होता रहेगा जैसा कि पिछले वर्षों से होता चला आ रहा है। मतदान केवल मतदाता का कर्तव्य नहीं है। मतदान उसका अधिकार है। केंद्र एवं राज्य में जो भी सरकारें बनती हैं, उसमें मतदाता और राजनीतिक दलों की बड़ी भूमिका होती है। क्योंकि मतदाता के मतदान करने के बाद जिस पार्टी को बहुमत मिलता है, उसी की केंद्र एवं राज्य में सरकार बनती है। वही बहुमत के आधार पर सरकार बनाती है। मतदाताओं को संविधान की बुनियादी बातों को समझना बहुत जरूरी है। मतदाताओं को उनके अधिकार से भी परिचित कराया जाना जरूरी है। जब कोई भी राजनीतिक दल मतदाताओं के लिए घोषणा पत्र जारी करता है। चुनाव लड़ने वाला उम्मीदवार मतदाताओं को क्षेत्र का विकास करने और क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने का जो आश्वासन देता है। मतदाता उसी से प्रभावित होकर अपना वोट उसके पक्ष में देता है। मतदाता राजनीतिक दल की विचारधारा, राजनीतिक दल के घोषणा पत्र में किए गए वायदे और उम्मीदवार द्वारा किए गए वायदों को ध्यान में रखते हुए अपना मत देता है। उसे संसदीय या विधानसभा क्षेत्र से बहुमत के आधार पर वह चुनाव जीतता है। लोकसभा और विधानसभाओं में उस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है। निर्वाचित प्रतिनिधि और राजनीतिक दल यदि मतदाताओं से जो वायदे किए गए थे जिस विचारधारा के आधार पर उससे मत मांगा गया था यदि वह उसके विपरीत जाकर काम करता है तो वह मतदाताओं के साथ एक तरह की धोखाधड़ी है। निर्वाचित सांसद अथवा विधायक राजनीतिक दल को छोड़कर दूसरे दल में जाता है, तो यह मतदाताओं के साथ धोखाधड़ी है। इसी तरीके से निर्वाचित प्रतिनिधि यदि अपने वायदे से मुकर जाता है, तो यह भी मतदाताओं के साथ एक तरह की धोखाधड़ी है। मतदाताओं को अपने इस अधिकार को समझते हुए मतदान करना चाहिए। मतदाता सजग होगा तो राजनीतिक दल और निर्वाचित प्रतिनिधि मतदाताओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझेंगे निर्वाचित प्रतिनिधि नैतिकता के साथ काम करेंगे। संविधान ने नागरिकों को जो मौलिक अधिकार दिए हैं। कोई भी सरकार इन अधिकारों को कम या खत्म नहीं कर सकती है। संविधान की मूल संरचना या आत्मा निष्पक्ष चुनाव कराने और हर नागरिक के अधिकारों को सुरक्षित बनाने का काम करती है। इस अधिकार की रक्षा करना मतदाता का ही

कर्तव्य और अधिकार है। जब मतदाता अपने कर्तव्य और अधिकार को समझ लेगा सही मायने में तभी वह सही सरकार को चुन पाएगा। तभी उसके मौलिक अधिकार सुरक्षित रह पाएंगे। भारतीय नागरिकों को चाहे वह किसी भी जाति, धर्म का स्त्री, पुरुष ट्रांसजेंडर अपंग अथवा किसी भी आयु वर्ग का हो सभी को समान अधिकार दिए गए हैं। संविधान की इस संरचना को बदलने का अधिकार किसी के पास भी नहीं है। यह तभी सुरक्षित रह पाएंगे जब नागरिक स्वयं अपने अधिकारों और मतदान के कर्तव्य को लेकर सजग होंगे।

आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है पालक की खेती

पत्ती वाली सब्जियों में कैल्सियम, आयरन इत्यादि खनिज तत्व व विटामिन 'ए' 'बी' काम्प्लैक्स व 'सी' बहुतायत में पाये जाते हैं। पत्ती वाली सब्जियों में पालक का महत्तवपूर्ण स्थान है। जो कि मुख्यतः अपनी मुलायम एवं कोमल पत्तियों के लिए उगाया जाता है। पालक का कोमल तना भी प्रयोग में लाया जाता हैं पालक की खेती सर्दियों में अधिक की जाती है।

भूमि और जलवायु

पालक की खेती पूरे साल विभिन्न प्रकार की जलवायु में की जा सकती है। परन्तु अत्यधिक तापक्रम इसके लिए हानिकारक होता है। अतः सर्दियों के महीने पालक की खेती के लिए उपयुक्त होते हैं।

भूमि की तैयारी

पालक को पर्याप्त उर्वरता वाली सभी प्रकार की मिट्टीयों में उगाया जा सकता है। भूमि में जल निकास का भी उचित प्रबन्ध होना चाहिए। बलुई दोमट पालक के विकास के लिए अच्छी भूमि होती है। पालक की प्रजाति जैसे जोबनेर ग्रीन इत्यादि को 8 से 10 पी. एच. मान की क्षारीय भूमियों में भी उगाया जा सकता है।

पालक की बुआई के लिए खेत को 3-4 जुताइयाँ करके मिट्टी को भुरभुनी बना लेना चाहिए। उचित जलनिकास के लिए खेत को पाटे द्वारा समतल करना भी आवश्यक होता है।

प्रजातियां

भारत में पालक की बहुत सी प्रजातियां उगाई हैं परन्तु अधिक पोषक तत्वों एवं मुलायम पत्तियों वाली कटाई के बाद अच्छी और जल्दी पुर्नवृद्धि वाली एवं देर से कल्ले फूटने वाली प्रजाति ही अच्छी मानी जाती है। पालक की कुछ मुख्य प्रजातियां निम्नलिखित हैं – पालक आल ग्रीन, पालक पूसा ज्योति, पालक हरित, पालक भारती, जोवनेर ग्रीन ।

बुआई

मैदानी क्षेत्रों में पालक की बुआई वर्ष में तीन बार की जा सकती है। 1 बसन्त ऋतु के शुरू में, 2 वर्षा के शुरू में, 3 मुख्य फ़सल सितम्बर व नवम्बर के मध्य में बीज द्वारा तैयार खेत में पंक्तियों में बुआई करना उचित रहता है। क्योंकि पंक्तियों में बुआई करने से खरपतवार नियंत्रण , अन्तःकर्षण क्रियाएं एवं कटाई आसानी से की जा सकती है। बीज को 20 सें0मी0 की दूरी पर बनी पंक्तियों में 3-4 सें0मी0 की गहराई पर बोना चाहिए। यह ध्यान रहें कि बीज बोने से पहले खेत में पर्याप्त नमी रहनी चाहिए। एक हेक्टेअर क्षेत्र की बुआई के लिए 25-30 कि. ग्राम. बीज काफी रहता है।

खाद एवं उर्वरक

पत्तियों वाली सब्जियों के लिए नाइट्रोजन बहुत ही आवश्यक तत्व है। खेत की तैयारी अर्थात् बुआई से 12-15 दिन पहले 15 - 20 टन प्रति हेक्टेअर के हिसाब से गोबर की खाद मिट्टी में मिला देनी चाहिए। 30 कि0ग्रा0 नाइट्रोजन, 25 कि0ग्रा0 फॉस्फोरस एवं 50 कि0ग्रा0 पोटाश बुआई से पहले खेत तैयार करते समय मिट्टी में मिला दें। हरी एवं मुलायम पत्तियों कटाई के बाद खेत में डालनी चाहिए।

सिंचाई

पालक में सिंचाई मौसम एवं मिट्टी की स्थिति पर निर्भर करती है। यदि खेत में बुआई के समय पर्याप्त नमी न हो तो बुआई के तुरन्त बाद एक हल्की सिंचाई करनी चाहिए। बसन्त एवं गर्मी के मौसम में छः से सात दिन के अन्तराल तथा सर्दियों में दस से पन्द्रह दिन के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए।

फसल सुरक्षा

डेम्पिंग ऑफ एवं सरकोस्पोरा लीफ स्पोट मुख्य बीमारियाँ हैं। डेम्पिंक ऑफ से बचने के लिए बीज को बुआई से पहले 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से कैप्टन या थिरम से उपचारित करना चाहिए। जबकि सरकोस्पोरा लीफ स्पाट, जिसमें पत्तियों पर भूरे रंग के गोल घब्बे बन जाते हैं, के नियंत्रण के लिए ब्लाइटाक्स, कॉपर आक्सीक्लोराइड दवाई, दो ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीटल, पत्ती खाने वाला लार्वा, टिड्डा और एफिड कीड़े पालक को नुकसान पहुँचाते हैं। इन कीड़ों की रोकथाम के लिए मिथाइल पेराथियोन 50 ई0सी0 की दो ग्राम प्रति लीटर पानी में छिड़काव करने से पत्तियों को नुकसान पहुँचाने वाले कीडों से बचाया जा सकता है।

खरपतवार नियंत्रण

पालक में खुरपी द्धारा खरपतवार निकालने की एक मुख्य प्रक्रिया है। सामान्यतः दो तीन अन्तः आकर्षण क्रियाएँ ही खरपतवार नियंत्रण के लिए पर्याप्त रहती है।

कटाई एवं उपज

पालक की फसल की पहली कटाई, बुआई के 3-4 सप्ताह बाद की जाती है। जब कि अन्य बाद वाली कटाइयाँ 15 से 20 दिन के अन्तराल पर करनी चाहिएँ। सामान्यतः 4-6 कटाई ली जा सकती हैं जिससे 80-100 कुन्टल प्रति हेक्टेयर पालक की हरी पत्तियों की उपज प्राप्त की जा सकती है।

कृषि : बदले खेती के तरीके

कृषि यंत्रों का ऐतिहासिक सफर

विश्व में खेती का इतिहास जितना पुराना है कमो-बेश कृषि यंत्रों का इतिहास भी उतना ही पुराना है। खेतों को तैयार करने, जोतने बोने, फसल काटने आदि के लिए मनुष्य को आरंभ से ही उपकरणों की जरूरत रही है। आरंभ में वे सब औजार लकड़ी, पत्थर या हड्डी के रहे होंगे लेकिन धातु के आविष्कार के बाद पत्थर और हड्डी की जगह धातु ने ले ली और लकड़ी के हल में भी लोहे के फल लगने लगे। इसी प्रकार कुदाल, फावड़ा, खुरपी, हँसिया आदि दूसरे प्रकार के उपकरण भी बनाए और मानवशक्ति के साथ-साथ पशुशक्ति का उपयोग किया जाने लगा। इसके लिए बैल, घोड़ा, खच्चर, ऊँट अधिक लाभदायक सिद्ध हुए। इन्हीं साधनों और पशुओं में थोड़े से बदलाव के साथ संसार के सभी देशों में 18वीं शताब्दी के आरंभ तक खेती होती रही। अठारहवीं शताब्दी में उद्योगों में यंत्रीकरण के बाद कृषि क्षेत्र में भी लोगों का ध्यान इस ओर गया तथा धीरे-धीरे कृषि उपकरण यंत्र बनते गए। उन्नत देशों में सन 1840 से ही लगभग लोहे के हलों का उपयोग होने लगा था। 20वीं शताब्दी में हलों में पर्याप्त सुधार किए गए, जिनके कारण हलों पर भार घट गया। कोल्टर्स के उपयोग के कारण हलों में खरपतवार भी कम फसते है तथा ये आसानी से चलते भी हैं। अब रबर के पहिए के कारण कृषि यंत्रों और ट्रैक्टरों द्वारा भार के खिंचाव में सुविधा हो गई है। अच्छे डिजाइन और बनावट तथा सुदृढ़ धातु के उपयोग के कारण घर्षण कम हो गया है। पिछड़े हुए देशों में आज तक भी अच्छे प्रकार के कृषि यंत्रों का मिलना एक समस्या है। सन 1900 के बाद विशेषतः प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात, रूस, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिणी अमरीका और अफ्रीका में कृषि के यंत्रीकरण का प्रचलन अधिक हुआ। श्रम का महत्व समझने वाले अनेक देशों के कृषक जुताई तथा फसल की बटाई आदि कार्यों के लिए ट्रैक्टर का इस्तेमाल करने लगे, किंतु अफ्रीका और एशिया के बहुत से देशों में अभी यांत्रिक शक्ति का उपयोग अधिक मात्रा में नहीं हो रहा है। रूस के साइबीरिया क्षेत्र में सामूहिक खेतों पर तथा दक्षिण व मध्य अमरीका में मक्का उगाने के लिए, अर्जेंटीना में कपास तथा ईख आदि के लिए यंत्रों का उपयोग विशेष रूप से होता है।

आधुनिक यंत्रों के प्रयोग से खाद्य एवं पहनने की वस्तुओं के उत्पादन में काफी प्रगति हुई है। क्षेत्र और विभिन्न प्रकार की फसलों का ध्यान रखते हुए अनेक प्रकार के यंत्रों का निर्माण होने लगा है। खेती के काम के लिए शक्ति के बढ़ते हुए उपयोग के कारण, मशीनों को चलाने वाली मोटरों तथा विद्युत का प्रयोग तीव्र गति से बढ़ रहा है। संयुक्त राज्य अमरीका में, खेती की वृद्धि के साथ-साथ विद्युत शक्ति का उपयोग मुर्गी तथा सूअरों के पालने, घास सुखाने, आटा पीसने तथा डेअरी मशीनें आदि चलाने के कार्यों में भी होने लगा है। जिसकी वजह से घोड़ों और ऊँटों का प्रयोग बहुत ही कम हो गया। हाथ तथा पशुओं से चलाए जानेवाले यंत्रों में भी पर्याप्त सुधार हुआ और शक्तिचालित यंत्रों का आविष्कार एवं उपयोग बढ़ता गया। कृषि अनुसंधानकर्ताओं तथा अभियंताओं ने अब पौधे लगाने वाली, चुकंदर के बीज अलग करनेवाली एवं दाना तथा भूसा अलग करने आदि, कृषि कार्यों के लिए उपयोगी मशीनों को भी शक्तिचालित बनाने में सफलता प्राप्त करली है। संयुक्त राज्य अमरीका में कृषि कार्य में शक्ति और यंत्रों के उपयोगों के प्रारंभ का क्षेत्र बड़ा व्यापक था, वहाँ के खेत विभिन्न प्रकार की मिट्टी के होने के कारण छोटे-छोटे भागों में बँटे हुए थे। अतः वहाँ छोटे से छोटे खेतों में उपयोग करने के निमित्त मशीनें बनीं, जिसका ज्वलंत उदाहरण छोटे ट्रैक्टर हैं। ये पारिवारिक तथा छोटे खेतों के लिए उपयोगी सिद्ध हुए है। यही बात प्लांटिंग मशीन और फर्टिलाइजर डिस्ट्रिब्यूटर के विषय में भी कही जा सकती है।

ग्रेट ब्रिटेन में जुताई के लिए भाप से चलने वाले ट्रैक्टर उपयोग में लाए जाते थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वहाँ पेट्रोल से चलने वाले ट्रैक्टरों की संख्या अधिक हो गई। कृषि संबंधी श्रमिकों की कमी ने खेतों पर शक्ति तथा यंत्रों के उपयोग में दिनों दिन वृद्धि की है। वहाँ के किसानों ने घास से अधिक लाभ उठाने के हेतु मशीनों का उपयोग विशेष रूप से किया। वर्षा के कारण घास को अच्छी दशा में रखना कठिन था, अतः घास को साइलों में रखने की प्रथा का पर्याप्त विकास हुआ। परिणामस्वरूप इनसाइलेज कटर (चारा काटने की मशीन), साइलोफियर, साइलेज हारवेस्टर जैसी मशीनें प्रचलन में आई। वहाँ कुछ फसलों की कटाई रीपर के द्वारा होती है, जो फसल को बिना गठ्ठर बनाए ही भूमि पर डाल देता है। यह कटी हुई फसल ट्रकों में भरकर मड़ाई के लिए जाती है। वहाँ की थ्रेशिंग मशीनें केवल भूसे को ही दाने से अलग नहीं करतीं, वरन छोट-छोटे खरपतवार, लकड़ी, पत्थर और मिट्टी को भी अनाज से अलग करती है। हवा में अधिक नमी होने के कारण ब्रिटेन के बहुत से चरागाहों में काई पैदा हो जाने से गर्मी में हैरो का उपयोग होने लगा है।

सोवियत रूस में सहकारी खेती, पंचवर्षीय योजना, भूमिसुधार और छोटे-छोटे खेतों को तोड़कर बड़े फार्म बनाने की योजनाओं के कार्यान्वित होने से ही यांत्रिक खेती की प्रगति हुई है। सुनिश्चित समय में योजनाओं के अंतर्गत यंत्रीकरण उन्नति की ओर विशेष तथा सस्ते ईंधन की प्राप्ति, रूस के कृषियंत्रीकरण में विशेष सहायक सिद्ध हुई। देश में ट्रैक्टर बनाने के बहुत से कारखाने खोले गए तथा आदमियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई। लगभग सन 1940 तक रूस में खेती का एक बड़ा भाग सामूहिक खेती के रूप में होता रहा। अंत में इन छोटे भागों को मिलाकर बड़ी इकाई का रूप दे दिया गया, जिसके प्रबंध में पर्याप्त सुविधा हुई। मध्यम तथा छोटे सामूहिक खेत वाले आवश्यकता पडऩे पर राजकीय खेतों से मशीनें लाकर कार्य करते हैं। सन 1936 के बाद रूस में मशीनें गेहूँ, जौ, जई, राई और दूसरे अनाज उगाने के काम में आने लगीं और जो मशीनें अन्यत्र यांत्रिक खेती के लिये प्रयुक्त होती रहीं उनका उपयोग कपास, चुकंदर इत्यादि फसलों की खेती में भी किया जाने लगा। अब वहाँ लगभग सभी कृषि कार्य मशीनों के द्वारा होते हैं। दूसरे शब्दों में कृषि का 95 प्रतिशत यंत्रीकरण हो चुका है, वहाँ विभिन्न प्रकार के 1,000 कृषियंत्र बनने लगे हैं।

जर्मनी में लोगों का झुकाव डीजल तथा सेमिडीजल छोटे ट्रैक्टरो के निर्माण की ओर अधिक है। यांत्रिक शक्ति के उपयोग से फसल उगाने के लिये पुरस्कार स्वरूप जर्मनी के कृषकों को 3 से 5 एकड़ ज़मीन मिल जाती थी। स्वभावतः लोगों का झुकाव ट्रैक्टरों एवं ट्रकों से कृषि उत्पाद बाजार ले जाने की ओर हुआ। वहाँ मशीनों के डिजाइन में खाद्योत्पादन की वृद्धि की और विशेष ध्यान दिया गया, जिससे वहाँ के छोटे छोटे फार्मों से अत्यधिक लाभ उठाया जा सके। कतारों में बुनाई करनेवाली इस देश की मशीनों की सूक्ष्मता दूसरे देशों के लिये एक उदाहरण है। द्वितीय विश्वयुद्ध के पूर्व भी जर्मनी के खेतों पर विद्युत शक्ति का उपयोग होता था। सिफ्ट जर्मनी का एक विख्यात ट्रैक्टर है, जिसका निर्माण सन 1947-48 में प्रारंभ हुआ। ट्रैक्टरों से चलनेवाले स्पाइक टुथ हैरो तथा पल्वराइजर इत्यादि इस देश में बहुताएत निर्मित होते हैं।

फ्रांस में छोटे छोटे खेतों की अधिकता के कारण यांत्रिक खेती का उतना विकास नहीं है जितना इंगलैंड, रूस तथा जर्मनी में है। फ्रांस के कृषक अपने शक्तिशाली घोड़ों के लिये प्रसिद्ध हैं। कृषि कार्यों के लिये इनका उपयोग बड़ी मात्रा में होता है, इसके बावजूद इस देश में छोटे ट्रैक्टरों का उपयोग बढ़ा है। इस देश में स्प्रेइंग तथा डस्टिंग मशीनों का प्रयोग एवं फलों तरकारियों की खेती में अधिक तथा कुछ सीमा तक व्यापारिक उर्वरक के लिये होता है। दक्षिणी अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड तथा अर्जेंटाइना में भी कृषि यंत्रों की ओर लोगों का झुकाव है किंतु जहाँ कही भी ईंधन मंहगा और पशु रखने की सुविधा है वहां के किसानों ने पशु शक्ति पर निर्वाह करना उचित समझा। इन देशों में यांत्रिक शक्ति का उपयोग केवल खेत तैयार करने तथा फसल की कटाई तक ही सीमित है। न्यूजीलैंड में डेअरी उद्योगों की उन्नति होने के फलस्वरूप वहाँ पर डेअरी से संबंधित यंत्रों का अत्यधिक मात्रा में उपयोग तथा विकास हुआ है। अफ्रीका में नील नदी की घाटी और दक्षिणी अफ्रीका के अतिरिक्त अन्य सभी जगह खेती अब भी पुराने ढंग से की जाती है और सामान्य यंत्र तथा पशु उपयोग में लाए जाते हैं। यही स्थिति एशिया के बहुत से देशों की है।

अधिक जनसंख्या होने के कारण चीन में ट्रेक्टरों तथा बड़ी मशीनों का उपयोग बहुत ही सीमित है। मानव एवं पशुचालित यंत्र ही वहाँ विशेष प्रचलित हैं। चीन में कृषि कार्यों की शक्ति का मुख्य साधन मनुष्य ही है। यहाँ तक कि हल तथा गाडियाँ भी मनुष्यों द्वारा चलाई जाती हैं। साइलेज कटर, पनचक्की, राइस हलर, राइस थ्रेशर, दो पहिए वाले हल इत्यादि कुछ उन्नतिशील कृषि यंत्रों का निर्माण अब चीन में होने लगा है। यूरोप और संयुक्त राज्य अमरीका में विद्युतचलित यंत्रों का प्रयोग होने लगा है क्योंकि वहाँ बिजली अधिक सस्ते दर पर उपलब्ध है एवं इसको उपयोग में लाना भी सरल होता है। इसके अतिरिक्त विद्युत-चालित औजार और यंत्र भी पर्याप्त समय तक ठीक दशा में रखे जा सकते हैं, समय की बचत होती है, कार्य निपुणता बढ़ती है और व्यय कम होता है। भारत में कृषि यंत्रों का व्यवहार हालांकि हरित क्रान्ति के बाद से आरंभ हुआ है और आज उसका तेजी से विस्तार हो रहा है। हमारे यहां किसान की जरूरतों के आधार पर कृषि यंत्र नहीं बनाए जाते, यहां आज तक विदेशों की नकल पर तैयार यंत्रों का चलन है।

टाइटन का मुनाफा मार्च तिमाही में पांच प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । टाइटन कंपनी का मुनाफा बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में पांच प्रतिशत बढ़कर 771 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2022-23 की इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 736 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने कहा कि उसकी कुल आय बीते वित्त वर्ष जनवरी-मार्च तिमाही में बढ़कर 11,472 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल समान तिमाही में 9,419 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी का मुनाफा 3,496 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 3,274 करोड़ रुपये था। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय 47,501 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 38,675 करोड़ रुपये थी।

प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगा

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। इसके साथ ही सरकार ने देसी चने के आयात पर शुल्क से 31 मार्च, 2025 तक छूट देने का फैसला किया। इसके अलावा 31 अक्टूबर, 2024 या उससे पहले जारी किए गए बिल ऑफ एंट्री के जरिये पीले मटर के आयात पर शुल्क छूट भी बढ़ा दी गई है। बिल ऑफ एंट्री एक कानूनी दस्तावेज है जो आयातकों या सीमा शुल्क निकासी एजेंटों के आयातित माल के आगमन पर या उससे पहले दाखिल किया जाता है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि ये सभी बदलाव चार मई से प्रभावी होंगे। फिलहाल प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा हुआ है। हालांकि, सरकार भारत के मित्र देशों को निर्यात की अनुमति देती है। इसने संयुक्त अरब अमीरात और बांग्लादेश को एक निश्चित मात्रा में प्याज निर्यात की अनुमति दी हुई है। पिछले साल अगस्त में भारत ने प्याज पर 31 दिसंबर 2023 तक 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया था।

एनएसई का मुनाफा मार्च तिमाही में बढ़कर 2,488 करोड़

नई दिल्ली। बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मुनाफा 20 प्रतिशत बढ़कर 2,488 करोड़ रुपए रहा। एनएसई ने बयान में कहा कि उसकी एकीकृत परिचालन आय मार्च तिमाही में 34 प्रतिशत बढ़कर 4,625 करोड़ रुपए रही। एनएसई के निदेशक मंडल ने पिछले वित्त वर्ष के लिए 90 रुपए प्रति शेयर (प्री-बोनस) लाभांश की सिफारिश की है। साथ ही, निदेशक मंडल ने मौजूदा एक शेयर के लिए चार बोनस शेयर जारी करने की सिफारिश की है। एकल आधार पर एनएसई का मार्च तिमाही का मुनाफा 1,856 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल समान तिमाही में 1,810 करोड़ रुपए था। कंपनी की कुल परिचालन आय मार्च तिमाही में 25 प्रतिशत बढ़कर 4,123 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल समान तिमाही में 3,295 करोड़ रुपए थी।

हमारे स्लीप थेरेपी उपकरण भारत में उपयोग के लिए सुरक्षितः फिलिप्स

नई दिल्ली । डच हेल्थकेयर कंपनी फिलिप्स का कहना है कि उसने भारत में अपने दोषपूर्ण स्लीप थेरेपी उपकरण सुधार लिए हैं। मौजूदा परीक्षणों के आधार पर उसका कहना है कि उनके निरंतर उपयोग से सेहत को कोई ज्यादा नुकसान होने की संभावना नहीं हैं। बाई-लेवल पॉजिटिव एयरवे प्रेशर (बाईपैप) मशीनों के कुछ मॉडलों में फोम के क्षरण की समस्या आने पर कंपनी को जांच का सामना करना पड़ा है। इस वजह से इसके उपयोगकर्ताओं को सांस लेने में दिक्कत और स्वास्थ्य जोखिम पैदा हो गया था। स्लीप एपनिया के इलाज के लिए बाईपैप और कंटिन्युअस पॉजिटिव एयरवेज प्रेशर (सीपैप) उपचार वाले उपकरणों का उपयोग किया जाता है। स्लीप एपनिया नींद का ऐसा गंभीर विकार है, जिसमें सांस बार-बार रुकती और चलती है। फिलिप्स ने जून 2021 में अपनी प्रतिक्रिया में सीपैप और बाईपैप उपकरणों के संबंध में फील्ड सेफ्टी नोटिस जारी किया था, जिसमें ध्वनि कम करने वाले फोम के क्षरण को लेकर चिंताओं का हवाला दिया गया था, जिसके कारण श्वसन मार्ग में कण और रसायन जा रहे थे।

चुनाव के बाद टेलीकॉम कंपनियां महंगे करेंगी टैरिफ!

नई दिल्ली ।

एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भारतीय टेलीकॉम सेक्टर में टैरिफ में 20-25 फीसदी बढ़ सकता है। पहले अनुमानों में केवल 10-15 फीसदी बढ़ने की उम्मीद थी। टेलीकॉम कंपनियां अभी भारतीय बाजार में कोई खास हलचल नहीं मचा रही हैं। पिछले एक साल में शेयर बाजार में टेलीकॉम कंपनियों के शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। आंकड़ों के अनुसार बीएसई पर वोडाफोन आइडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल देखी गई, जो 92 फीसदी है। वहीं सुनील भारती मित्तल की भारती एयरटेल के शेयरों में 65 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। टेलीकॉम क्षेत्र की दूसरी कंपनियां भी पीछे नहीं रहीं। इंडस टावर्स के शेयरों में 125 फीसदी की तेजी आई, तो एमटीएनएल के शेयरों में 93 फीसदी का उछाल देखा गया। टाटा कम्युनिकेशंस के शेयरों में 38 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) के शेयरों में 32 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। बोफा सिक्योरिटीज का मानना है कि प्योर टेलीकॉम कंपनी के रूप में, वोडाफोन आइडिया टैरिफ बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा फायदा उठा सकता है। उनकी रिपोर्ट के अनुसार, अगर प्रति यूजर औसत राजस्व में 5 फीसदी की बढ़ोतरी होती है, तो कंपनी की प्रति शेयर आय में 12 फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। हालांकि, बोफा अभी भी वोडाफोन आइडिया के शेयर को खरीदने की सलाह नहीं दे रहा है। उनकी राय है कि फिलहाल कंपनी के स्पेक्ट्रम पेमेंट को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार हाल ही में धन जुटाने के

बाद वोडाफोन आइडिया का वित्त वर्ष 2025-26 का अनुमानित ईपीएस 2.7 रुपये हो गया है, जो पहले 1.5 रुपये था। वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल के लिए भी बोफा ने वित्त वर्ष 2025-26 के ईपीएस अनुमान में 5-6 फीसद की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि उच्च मूल्यह्रास और परिशोधन के कारण रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए ईपीएस अनुमान में 2-3 फीसदी की कमी की संभावना है।

अप्रैल में भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गति हुई धीमी

मुंबई । भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधि अप्रैल में धीमी रही, लेकिन फिर भी परिचालन स्थितियों में साढ़े तीन साल में दूसरा सबसे तेज सुधार दर्ज किया गया। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआई) अप्रैल में घटकर 58.8 हो गया जो मार्च में 59.1 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है।एचएसबीसी इंडिया के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि मजबूत मांग की स्थिति के कारण उत्पादन में और वृद्धि हुई, हालांकि मार्च की तुलना में यह वृद्धि थोड़ी धीमी रही। लेकिन भारतीय विनिर्माताओं ने अप्रैल में घरेलू और बाहरी ग्राहकों से अपने माल की मजबूत मांग की सूचना दी। कुल नए ठेके में तेजी से वृद्धि हुई है और विस्तार की गति 2021 की शुरुआत के बाद से दूसरी सबसे मजबूत रही। इसके अलावा, अप्रैल में नए निर्यात ठेकों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यद्यपि कुल बिक्री की तुलना में यह वृद्धि धीमी रही, जिससे पता चलता है कि घरेलू बाजार वृद्धि का मुख्य चालक बना रहा।

बायजू के खिलाफ एनसीएलटी के समक्ष विक्रेताओं के दावे 190 करोड़ तक पहुंचे

नई दिल्ली । संकट का सामना कर रही बायजू के खिलाफ राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष विक्रेताओं के कुल दावे 190 करोड़ रुपए तक पहुंच गए हैं। सूत्रों ने कहा कि इसमें हैंडसेट विनिर्माता ओप्पो ने एक करोड़ रुपए का नया दावा दायर किया है। बायजू के लिए बढ़ते दावे ऐसे समय में सामने आए हैं, जब यह निवेशकों के साथ विवाद के कारण राइट इश्यू से जुटाए गए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की धनराशि को हासिल नहीं कर पाई है। एक सूत्र ने कहा कि एनसीएलटी के समक्ष बायजू के खिलाफ कुल 190 करोड़ रुपए के दावे किए गए हैं। इसमें चीनी मोबाइल कंपनी ओप्पो का एक करोड़ रुपए का दावा भी शामिल है। इस मामले पर बायजू और ओप्पो को भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने बायजू के खिलाफ 158.9 करोड़ रुपए का सबसे बड़ा दावा दायर किया है। इसके बाद कॉजेंट ई-सर्विसेज ने 6.7 करोड़ रुपए और टेलीपरफॉर्मेंस बिजनेस सर्विसेज ने पांच करोड़ रुपए का दावा किया है। एक सूत्र ने कहा कि सभी दावे विवादित हैं और वास्तविक बकाया इससे कम हो सकता है।

शेयर बाजार में तीन दिन तेजी, एक दिन गिरावट रही

- सेंसेक्स 732 अंक फिसलकर 73,878 पर बंद

- निफ्टी 172 अंक फिसलकर 22,475 पर बंद

मुंबई । बीते सप्ताह शेयर बाजार के कम कारोबारी दिनो में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। सप्ताह की शुरुआत में तेजी के साथ खुलने वाला शेयर बाजार सप्ताह के आ खिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। हालां कि सेंसेक्स में एक फीसदी की तेजी रही और निफ्टी ने भी नया रिकॉर्ड बनाया। बाजार के विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका में लगातार चार महीनों तक महंगाई बाजार की उम्मीदों से अधिक रहने से मुद्रास्फीति संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। मई के पॉलिसी में अमेरिकी फेड ने अपने मुद्रास्फीति लक्ष्य की दिशा में सीमित प्रगति को स्वीकार किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि महंगाई को लेकर अनिश्चितता बना हुआ है। इसका असर भी बाजार पर देखने को मिला। इसके अलावा लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर बाजार की अटकलों के कारण भी बाजार में बेतहाशा उतार-चढ़ाव बढ़ रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि जैसे-जैसे 4 जून के चुनाव नतीजों की तारीख के करीब पहुंचेंगे, बाजार में अस्थिरता और भी बढ़ सकती है। बीते सप्ताह 1 मई बुधवार को मजदूर दिवस पर बंद रहे जिससे शेयर बाजारों में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। वै श्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। बीएसई का सेंसेक्स 856.90 अंकों की बढ़त के साथ 74,587.06 के स्तर पर खुला और 941.12 अंकों की बढ़त के साथ 74,671.28 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 191.15 अंकों की मजबूती के साथ 22,611.10 पर खुला और 223.46 अंक मजबूत होकर 22,643.40 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 129.61 अंक की तेजी के साथ 74,800 पर खुला और 188.50 अंक की गिरावट के साथ 74,482.78 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 36.25 अंक की बढ़त के साथ

22,679 के लेवल पर खुला और 38.55 अंक टूटकर 22,604.85 के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 150 अंक बढ़कर 74,639 पर खुला और 74611.11 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 41 अंक बढ़कर 22,646 पर खुला और 22,648 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सुबह मजबूती के साथ शुरू हुआ घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 400 अंक बढ़कर 75,070 पर खुला और 732.96 अंक फिसलकर 73,878.15 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 135 अंक गिरकर 22,783 पर खुला और 172.33 अंक फिसलकर 22,475.85 पर बंद हुआ।

अडानी ग्रुप की फिलीपींस में भारी निवेश की योजना

- अडानी ग्रुप की कंपनियां इससे पहले श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इजरायल में प्रवेश कर चुकी हैं

नई दिल्ली ।

भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े अमीर करोबारी गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी ग्रुप अब फिलीपींस में भारी निवेश की योजना बना रहा है। इससे पहले कंपनी श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इजरायल में प्रवेश कर चुकी है। अडानी ग्रुप की कंपनियां इस देश में पोर्ट्स, एयरपोर्ट्स, पावर और डिफेंस सेक्टर में निवेश करने पर` विचार कर रही हैं। अडानी पोर्ट्स ने फिलीपींस के बटान में एक 25 मीटर डीप पोर्ट को डेवलप करने में दिलचस्पी दिखाई है। यह पोर्ट पैनामैक्स वेसल्स को भी हैंडल कर सकता है। अमूमन इस तरह का जहाज 50,000 से 80,000 डेडवेट टन तक का होता है। ये 965 फीट लंबा, 106 फुट बीम और 39.5 फुट ड्राफ्ट का जहाज होता है। यह भारी मात्रा में सामान ले जा सकता है। दुनिया में कम ही बंदरगाहों में इस तरह के भारीभरकम जहाजों को हैंडल करने की सुविधा होती है। गौतम अडानी के बेटे और अडानी पोर्ट्स के एमडी करण अडानी ने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्निडाड आर मार्कोस जूनियर के साथ मनीला में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने फिलीपींस में अडानी ग्रुप की निवेश योजनाओं के बारे में बताया। मार्कोस ने अडानी पोर्ट्स की योजनाओं का स्वागत किया। उन्होंने सुझाव दिया कि कंपनी को एग्रीकल्चरल प्रॉडक्ट्स

की हैंडलिंग पर फोकस करना चाहिए ताकि फिलीपींस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सके। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार देश में टूरिस्ट्स के लिए गेटवे डेवलप कर रही है। साथ ही एग्रीकल्चरल प्रॉडक्ट्स की लॉजिस्टिक कॉस्ट को भी सस्ता करने के लिए गेटवे बनाए जा रहे हैं।

दूरसंचार ग्राहक मार्च में बढ़कर 119.9 करोड़ हुएः ट्राई

नई दिल्ली । रिलायंस जियो और भारती एयरटेल के नये ग्राहक जोड़ने के कारण देश में दूरसंचार ग्राहक मार्च में मामूली रूप से बढ़कर 119.9 करोड़ हो गए। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की ओर से जारी मासिक ग्राहक रिपोर्ट के अनुसार ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या बढ़कर 92.4 करोड़ हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया, भारत में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या फरवरी 2024 के अंत में 1,19.77 करोड़ से बढ़कर मार्च 2024 के अंत में 1,19.93 करोड़ हो गई। इसमें मासिक आधार पर 0.13 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान रिलायंस जियो ने 21.4 लाख मोबाइल ग्राहक जोड़े, जबकि भारती एयरटेल ने 17.5 लाख ग्राहक जोड़े। दूसरी ओर वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 6.8 लाख मोबाइल ग्राहक, बीएसएनएल ने 23.5 लाख और एमटीएनएल ने 4,674 ग्राहक खो दिए। मार्च 2024 के अंत तक वायरलाइन ग्राहकों की संख्या बढ़कर 3.37 करोड़ हो गई, जो फरवरी 2024 के अंत तक 3.31 करोड़ थी। वायरलाइन खंड में नए ग्राहक जोड़ने में रिलायंस जियो सबसे आगे रही और उसने 3.99 लाख नए ग्राहक जोड़े। इसके बाद भारती एयरटेल का स्थान रहा और उसने 2,06,042 नए ग्राहक जोड़े। वीआईएल में 39,713 उपयोगकर्ता शामिल हुए। कुल ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या बढ़कर मार्च 2024 के अंत तक 92.40 करोड़ हो गई। इसमें 0.80 प्रतिशत की मासिक वृद्धि हुई।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.412 बिलियन डॉलर की गिरावट

- 19 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 640.334 अरब डॉलर था

नई दिल्ली ।

बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.412 बिलियन डॉलर की तेज गिरावट हुई है। अब अपना भंडार 637.922 बिलियन डॉलर का ही रह गया है। यह लगातार तीसरा सप्ताह है, जबकि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट ही हो रही है। इससे पहले लगातार सात सप्ताह तक भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी ही हो रही थी। हालांकि, इसी समय अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में ऐसी स्थिति नहीं है। बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक 26 अप्रैल 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट हुई। इस दौरान अपना भंडार 2.412` बिलियन घटकर 637.922` बिलयन रह गया था। इससे पहले 19 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 640.334 अरब डॉलर था। इससे पहले पांच अप्रैल 2024 को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 648.562 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। यह सर्वकालिक उच्च स्तर है। आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां में भी कमी हुई है। बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान` विदेशी मुद्रा ओ स्तियां में 1.159 `बिलियन की कमी हुई है। अब अपना फॉरेन करेंसी असेट भंडार घट कर 559.701` बिलयन का रह गया है। वहीं अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस समय विदेशी मुद्रा की जबरदस्त किल्लत चल रही है। हालात ऐसे हैं कि वहां काम की चीजें मंगाने लायक भी विदेशी मुद्रा का भंडार नहीं बचा है। इसलिए बेहद संभल कर आयात करना पड़ता है। लेकिन बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार 35.5 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है।

सिंगापुर और हांग कांग भेजे जाने वाले मसालों की ईटीओ जांच अनिवार्य

नई दिल्ली ।

सिंगापुर और हांग कांग में एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों पर सवाल उठने के बाद भारत के स्पाइसेज बोर्ड ने दोनों देशों को निर्यात किए जाने वाले मसालों में एथिलीन ऑक्साइड (ईटीओ) की जांच अनिवार्य कर दी गई है। 6 मई से ऐसी जांच अवश्य करनी होगी और स्पाइसेज बोर्ड से इस बारे में सर्टिफिकेट मिलने पर ही इन दोनों देशों को मसाले भेजे जाएंगे। बोर्ड के मुताबिक सिंगापुर फूड एजेंसी के मुताबिक, मसालों में ईटीओ की मैक्सिमम रेजिड्यू लिमिट 50पीपीएम होनी चाहिए। हांग कांग में ईटीओ प्रतिबंधित है। लिहाजा रेडी टु ईट प्रोडक्ट्स सहित सिंगापुर और हांग कांग भेजे जाने वाले सभी स्पाइस कंसाइनमेंट्स के साथ स्पाइसेज बोर्ड की ओर से जारी एनालिटिकल रिपोर्ट होनी चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े मसाला निर्यातक भारत के लिए यह मामला काफी संवेदनशील है। स्पाइसेज बोर्ड के मुताबिक, 2022-23 में भारत से 3.95 बिलियन डॉलर का मसाला निर्यात हुआ था। एक रिपोर्ट में कहा है कि इस विवाद के चलते भारत के आधे मसाला निर्यात पर आंच आ सकती है। सिंगापुर और हांग कांग ने कथित तौर पर कीटनाशक ईटीओ होने का हवाला देकर एमडीएच और एवरेस्ट के 4 मसाला प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध लगा दिया था। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर के मुताबिक ईटीओ से कैंसर होने का खतरा होता है। एवरेस्ट और एमडीएच ने कहा था कि उनके उत्पादों की क्वॉलिटी बिल्कुल ठीक है।

सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा कोरियाई ब्यूटी ब्रांड की एंबेसडर बनी

नई दिल्ली ।

मास्टर-ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा ने 2021 में प्रतिष्ठित फैशन ब्रांड सेल्फ-पोर्ट्रेट के लिए कैंपेन में भाग लेकर मॉडलिंग इंडस्ट्री में पहचान हासिल की। अब सारा ने मशहूर कोरियाई स्किनकेयर ब्रांड लैनेज की ब्रांड एंबेसडर के तौर पर ब्यूटी इंडस्ट्री में प्रवेश किया है। सारा ने लैनेज के उत्पाद का इस्तेमाल करते हुए अपनी एक आकर्षक तस्वीर शेयर की है। सारा ने कहा कि मैं लैनेज से जुड़कर रोमांचित हूं।

यह एक ऐसा ब्रांड है जिसकी मैं इनोवेशन के प्रति समर्पण के लिए लंबे समय से प्रशंसा करती रही हूं। लैनेज के साथ साझेदारी करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। लैनेज के साथ सारा की साझेदारी उनके करियर में एक नया चैप्टर है। सारा तेंदुलकर लैनेज में अपनी एंबेसडर की भूमिका में चमकदार सुंदरता का सार प्रस्तुत करती हैं। वह लोगों को आत्मविश्वास और प्रामाणिकता के साथ अपनी अनूठी चमक को अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। अभिनेत्री या बड़ी मॉडल न होने के बावजूद सारा तेंदुलकर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन फ्लॉइंग है। वह हमेशा ही अपनी खूबसूरती से सबको दीवाना बनाती रहती हैं। उनकी बेदाग त्वचा उन्हें ब्यूटी ब्रांड और स्किनकेयर प्रोडक्ट एंडोर्समेंट के लिए मुफीद बनाते हैं। उनकी सादगी उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। वह बिना बहुत मेकअप के लोगों का ध्यान खींचती हैं।

मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 19,177 करोड़ की गिरावट

- अंबानी दुनिया के अमीरों की सूची में 11वें नंबर पर

नई दिल्ली ।देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर शुक्रवार को 2.17 फीसदी गिरावट के साथ 2868.50 रुपये पर बंद हुआ। इससे रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में काफी गिरावट देखने को मिली। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक शुक्रवार को अंबानी की नेटवर्थ में 2.3 अरब डॉलर (करीब 19,177 करोड़ रुपये) की गिरावट आई। इसके साथ ही अंबानी की नेटवर्थ 111 अरब डॉलर रह गई है और वह दुनिया के अमीरों की सूची में 11वें नंबर पर हैं। अंबानी भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 14.3 अरब डॉलर की तेजी आई। इस बीच अमेरिका के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे को छोड़कर सभी टॉप 10 रईसों की नेटवर्थ में शुक्रवार को तेजी रही। दुनिया के सबसे बड़े रईस फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट की नेटवर्थ में सबसे ज्यादा 4.60 अरब डॉलर की तेजी आई। इस उछाल के साथ ही उनकी नेटवर्थ 218 अरब डॉलर पहुंच गई। इस सूची में दूसरे नंबर पर काबिज ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस की नेटवर्थ में 1.52 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और यह 208 अरब डॉलर पहुंच गई। एलन मस्क की नेटवर्थ में 75.9 करोड़ डॉलर की तेजी आई। वह 192 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में तीसरे नंबर पर हैं। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने शुक्रवार को 3.55 अरब डॉलर की कमाई की। इस साल उनकी नेटवर्थ में 32.8 अरब डॉलर की तेजी आई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स इस सूची में पांचवें नंबर पर हैं। गूगल के फाउंडर लैरी पेज छठे, सर्गेई ब्रिन सातवें, स्टीव बाल्मर आठवें, वॉरेन बफे नौवें और लैरी एलिसन दसवें नंबर पर हैं। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की सूची में 14वें नंबर पर हैं।

आज धर्मशाला में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी चेन्नई सुपर किंग्स

धर्मशाला (एजेंसी)। पिछली विजेता चेन्नई सुपर किंग्स रविवार को लगातार दूसरी बार आईपीएल 2024 मैच में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी। पंजाब की कोशिश जीत की लय हासिल करने पर लगी होगी। 3 दिन पहले ही पंजाब किंग्स ने चेपॉक पर सीएसके को सात विकेट से हराया था। सीएसके 10 अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर है। पंजाब किंग्स की टीम अभी 7वें नंबर पर चल रही है और प्लेऑफ की रेस में बनी हुई है। यह मैच पंजाब के दूसरे घरेलू मैदान धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में होगा।

धर्मशाला में यह आईपीएल 2024 का पहला मुकाबला होगा। हालांकि इस मैदान पर लगातार मुकाबले हुए हैं। वर्ल्ड कप 2023 के दौरान भी मैदान पर कई मैचों का आयोजन हुआ था। पिछले आईपीएल सीजन यहां दो मैच हुए थे। एक मैच में 400 से ज्यादा रन बने थे, तब दूसरे में 188 का टारगेट चेज हो गया था। इसके बाद बल्लेबाजों का जलवा देखने के लिए फिर तैयार रहिए।

इस मैच में ओस की भूमिका नहीं रहेगी है। मैच दिन में 3 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा। इसके बाद टॉस उतना अहम नहीं होने वाला है। फिर भी टॉस जीतने वाली टीम पहले बॉलिंग कर सकती। ऐसी पिचों पर लक्ष्य का पीछा करना आसान होता है।

टीम

पंजाब किंग्स- शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जॉनी बेयरस्टो (विकेटकीपर), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व तायडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम करन, कागिसो रबाडा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी, रिले रोसोऊ।

चेन्नई सुपर किंग्स- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), अरावेली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र, मिशेल सैंटनर, निशांत सिंधु, दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मथीशा पाथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शार्दुल ठाकुर, महेश तीक्ष्णा और समीर रिजवी।

हार की वजह ढूंढ़ने में थोड़ा समय लगेगा: हार्दिक पंड्या

-केकेआर से हार के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान ने कहा

मुंबई, (एजेंसी)। आईपीएल मे शुक्रवार को मुंबई इंडियंस को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 24 रन से हरा दिया। केकेआर के 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की टीम 145 रन पर ढेर हो गई। इस हार से कप्तान हार्दिक पंड्या काफी परेशान दिखे। उनसे हार का कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हार की वजह ढूंढ़ने में थोड़ा समय लगेगा।

मुंबई इंडियंस के लिए सिर्फ सूर्यकुमार यादव और टिम डेविड ने थोड़ा संघर्ष किया। बाकी बल्लेबाज नाकाम रहे। पंड्या ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा कि हम साझेदारियां नहीं बना सके और विकेट गंवाते गए। बहुत सारे सवाल हैं और इन सब के जवाब ढूंढ़ने में थोड़ा समय लगेगा। हार्दिक पंड्या केकेआर के खिलाफ सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, इससे पहले उन्होंने मैच में 2 विकेट लिए।

हार्दिक पंड्या ने केकेआर की पारी को 169 रन तक रोकने के लिए गेंदबाजों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। अगर मैं गलत नहीं हूं तो दूसरी पारी में ओस के कारण विकेट बेहतर हो गया। हमें देखना होगा कि हम क्या बेहतर कर सकते हैं। खेल में संघर्ष जारी रखा जाता है। मैं भी अपनी टीम के खिलाड़ियों से यही कहता हूं।

बता दें कि मुंबई की टीम आईपीएल 2024 की प्लेऑफ रेस से लगभग बाहर हो गई है। वह अपने 11 में से 8 मैच हार चुकी है और 6 अंक के साथ पॉइंट टेबल में नौवें नंबर पर है। सिर्फ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ही टेबल में उससे नीचे हैं, लेकिन बेंगलुरू को मुंबई से एक मैच ज्यादा खेलना है। बेंगलुरू की टीम 10 में 7 मैच हार चुकी है देखना है कि वह प्लेऑफ में खेलती है या नहीं।

टी20 विश्व कप टीम का चयन फॉर्म के आधार पर नहीं हुआ: जडेजा

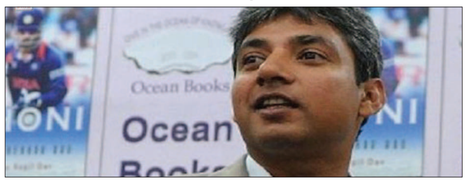

- कोहली को ओपनिंग तो रोहित को तीसरे नंबर पर उतारें

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर अजेय जडेजा ने टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का चयन पर सवाल उठाए हैं। जडेजा ने कहा है कि चयन फॉर्म के आधार पर नहीं किया गया। यह इस पर निर्भर है कि आप कैसे खेलना चाहते हैं। उन्होंने टी20 विश्व कप में विराट कोहली को ओपनिंग में उतारने की सलाह दी है जबकि रोहित शर्मा को तीसरे नंबर पर खिलाने का आग्रह किया है।

अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली बीसीसीआई की सीनियर चयन समिति ने 30 अप्रैल को टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दी है। भारतीय टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में पहला मैच 5 जून को आयरलैंड के साथ खेलेगी। इसके बाद टीम इंडिया का सामना उसके खास प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। यह मैच 9 जून को न्यूयॉर्क में खेला जाएगा। टीम चयन को लेकर अजय जडेजा ने कहा कि विराट कोहली को पारी की ओपनिंग करना चाहिए। रोहित को तीसरे नंबर पर उतारा जाना चाहिए। उसे थोड़ा समय मिल जायेगा क्योंकि बतौर कप्तान उसके दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होगा। विराट शीर्षक्रम का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है और पावरप्ले में उसे जमने का मौका मिल जाएगा।

जडेजा ने खराब फॉर्म से जूझ रहे हार्दिक पंड्या के चयन का भी समर्थन किया है। जडेजा ने कहा कि चोट के बाद पंड्या ने आईपीएल में वापसी की लेकिन वह ना तो बल्ले से और ना ही गेंद से अभी तक अपने आप को मजबूत साबित कर पाए हैं। मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक पंड्या की टीम पर आईपीएल से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। अजेय जडेजा ने कहा कि वह कई कारणों से सुर्खियों में हैं। वह खास खिलाड़ी है और भारत में इस तरह के हरफनमौला खिलाड़ी कम ही मिलते हैं। चयन फॉर्म के आधार पर नहीं किया गया। यह इस पर निर्भर है कि आप कैसे खेलना चाहते हैं। आपके पास टीम में स्थापित खिलाड़ी हैं। अब देखना यह है कि रोहित क्या सोचते हैं।

बीसीसीआई को लेकर पूर्व पाक क्रिकेटर का बयान, कहा- 'आईसीस इवेंट में आने से इनकार करना भारत को पड़ेगा भारी'

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ अक्सर भारत को लेक कुछ ना कुछ उलजलूल बोलते रहते हैं। अब एक बार फिर उन्होंने कहा है कि, भारत अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का दौरा करने से मना करता है तो उसे भारी पड़ेगा। सूत्रों ने आईएएनएस को पहले बताया था कि भारतीय टीम पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने ते लिए नहीं जा सकता है। इसमें कहा गया है कि आयोजन स्थ को संभावित रूपय से बदले या हाइब्रिड मॉडल पर विचार करने के बारे में चर्चा हो रही है।

वहीं इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राशिद लतीफ ने द्धहस्-से कहा कि, आप द्विपक्षीय सीरीज से इनकार कर सकते हैं। लेकिन आईसीसी आयोजनों से इनकार करना कठिन होगा। जब आईसीसी अपनी योजना बनाती है, तो टीमों को पता होता है कि उन्हें कहां खेलना है। जैसे पाकिस्तान को पता था कि उन्हें वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत जाना है, और क्रिकेट बोर्डों के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाते हैं।

राशिद लतीफ ने आगे कहा कि, आईसीसी आयोजनों से इंकार करना थोड़ा कठिन लगता है। 1996 वर्ल्ड कप में, ऑस्ट्रेलिया और वेस्डइंडीज ने श्रीलंका जाने से इनकार कर दिया और पूरा समूह बदल गया और श्रीलकं चैंपिय बन गया। ये बहुत बड़ी गलती थी, अगर भारत या पाकिस्तान ने साइन इन किया है तो उन्हें उस इवेंट में जाना होगा। अगर भारत या पाकिस्तान ने साइन इन किया है तो उन्हें उस इवेंट में जाना होगा। अगर सरकारी स्तर पर कोई परिस्थिति बनती है तो क्यों नहीं आ रहे इसका तार्किक जवाब देना होगा। आप पाकिस्तान में हालात नहीं हैं, इसका गवाला देकर द्विपक्षीय सीरीज से इनकार कर सकते हैं। मेरी राय में, आईसीसी आयोजन से इनकार करना उल्टा पड़ सकता है।

टी20 विश्वकप को लेकर सौरव गांगुली ने की भविष्यवाणी, इन दो टीमों को बताया बेस्ट

कोलकाता (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने दो टीमों को बेस्ट बताया है। दरअसल, गांगुली ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया को दो सर्वश्रेष्ठ टीमों के रूप में चुना है। टूर्नामेंट की शुरुआत 2 जून से हो रही है। गांगुली ने कहा है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया वनडे वर्ल्ड कप 2023 की फाइनलिस्ट हैं। उम्मीद है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपना दबदबा बनाए रखेगा। सौरव गांगुली ने कहा कि, भारत और ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट की दो सर्वश्रेष्ठ टीमें हैं मुझे यकीन है कि वे अमेरिका और वेस्टइंडीज में भी ऐसा ही करेंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए 20 टीमों को 5-5 के 4 ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-8 में जगह बनाएंगी। टीम इंडिया ग्रुप ए में है। इस ग्रुप में भारतीय टीम के अलावा पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका की टीम भी शामिल हैं। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है। इस ग्रुप में उनके अलावा इंग्लैंड, नामीबिया, स्कॉटलैंड और ओमान की टीमें शामिल हैं। इसके अलावा सौरव गांगुली ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय के बारे में कहा कि, ये एक शानदार टीम है, वे सभी मैच विजेता हैं। सभी 15 खिलाड़ी चुने जाने के लिए काफी अच्छे हैं। मुझे यकीन है कि रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ सर्वश्रेष्ठ को चुनेंगे।

आईपीएल से निकला नया सितारा नीतीश

नई दिल्ली ।आईपीएल के इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से युवा नीतीश रेड्डी ने शानदार प्रदर्शन किया है। नीतीश ने राजस्थान रॉयल्स ओर पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबलों में जिस प्रकार दबाव के बीच ही आक्रामक पारियों खेली हैं। उससे माना जा रहा है कि वह भविष्य में टीम इंडिया के लिए एक बेहतरीन खिलाड़ी के तौर पर सामने आयेंगे। नीतीश ने राजस्थान के खिलाफ हुए मुकाबले में जिस प्रकार दबाव के बीच ही अर्धशतकीय पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई उससे उनकी क्षमताओं का अंदाज होता है। नीतीश सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आईपीएल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। इस युवा ने अपनी पारी के दौरान 3 चौके और 8 छक्के लगाये। इस प्रकार आईपीएल से भारत को एक नई प्रतिभा मिली है। नीतीश इस मैच में जब बल्लेबाजी के लिए उतरे उस समय टीम ने 35 रन पर ही दो विकेट खो दिये थे। इसके बाद रेड्डी ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर शानदार पारी खेली।

4 गेंदों में 3 विकेट लेकर मिचेल स्टार्क ने केकेआर के पैसे वसूल कराएं

नई दिल्ली। वानखेड़े स्टेडियन में खेले गए आईपीएल के एक मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस को 24 रन से हराकर प्लेआफ में जगह बना ली है। केकेआर ने मुंबई को 170 रन का लक्ष्य दिया था. इसके जवाब में मुंबई ने 18 ओवर में 7 विकेट पर 132 रन बना लिए थे। क्रीज पर टिम डेविड जमे थे उनसे मुंबई को जीत की उम्मीद थी, लेकिन 19वां ओवर में मिचेल स्टार्क ने चार गेंदों में तीन विकेट लेकर मुंबई की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। मिचेल स्टार्क आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। केकेआर ने उन्हें 24.75 करोड़ रुपए देकर अपनी टीम में शामिल किया है। स्टार्क पर केकेआर की इस उम्मीद पर खरा उतरने का दबाव है, जो शुरुआती मैचों नहीं दिखा। इससे उन्हें आलोचना का सामना भी करना पड़ रहा था, लेकिन मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े में खेले मैच में उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मैच से मिचेल स्टार्क ने केकेआर के पैसे वसूल करा दिए। मिचेल स्टार्क जब मुंबई की पारी का 19वां ओवर लेकर आए तो टिम डेविड ने पहली गेंद पर छक्का जड़ दिया। मिचेल इससे पहले आरसीबी के खिलाफ आखिरी ओवर में 3 छक्के पड़वा चुके थे और केकेआर के फैंस के जेहन में वही यादें ताजा हो गई, लेकिन मिचेल बार-बार एक ही गलती नहीं करते। इस बार मिचेल अलग अंदाज में सामने थे और उन्होंने छक्का मारने वाले डेविड को अगली ही गेंद पर श्रेयस अय्यर के हाथों कैच करवा दिया। स्टार्क ने इसके बाद ओवर की तीसरी गेंद पर पीयूष चावला और पांचवीं गेंद पर कोएत्जी को बोल्ड किया। मिचेल स्टार्क ने अपने इस ओवर के स्पेल में 33 रन देकर 4 विकेट झटके। यह आईपीएल इतिहास में सिर्फ चौथा मौका है जब केकेआर के किसी गेंदबाज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 4 विकेट लिए। हालांकि, इस प्रदर्शन के बावजूद स्टार्क प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड अपने नाम नहीं कर पाए।

आईपीएल प्लेऑफ की तस्वीर अब भी साफ नहीं हुई

-10 टीमें आने से समीकरण बदला

मुम्बई (एजेंसी)। (ईएमएस)। आईपीएल में अब तक तक हुए 50 मैचों के बाद केवल एक टीम राजस्थान रॉयल्स का ही प्लेआफ में पहुंचना तय है। वहीं अन्य टीमों को लेकर संशय बना हुआ है। राजस्थान के सबसे अधिक 16 अंक हं जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स, लखनऊ सुपरजाइंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद सभी के 12-12 अंक है और इनके बीच प्लेऑफ के लिए कड़ा मुकाबला है। इसके बाद चेन्नई सुपरकिंग्स और दिल्ली कैपिटल्स भी 10-10 अंक लेकर प्लेफऑफ के लिए संघर्ष कर रही हैं। आईपीएल में जब से 10 टीमें हुई हैं तब से प्लेऑफ का समीकरण थोड़ा बदल गया है। पहले 14 अंक लेकर भी टीमें आसानी से प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर जाती थीं पर अब अब 16 अंक भी पर्याप्त नहीं माने जा रहे हैं। आईपीएल के पिछले दो सत्र में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली चार में से तीन टीमों के 16 से अधिक अंक थे जबकि चौथी टीम ने 16 अंक के साथ क्वालीफाई किया था। ऐसे में इस बार भी जिस टीम को प्लेऑफ खेलना है तो उसे कम से कम 16 अंक हासिल करने होंगे। चेन्नई सुपरकिंग्स और दिल्ली को अपने बाकि मैचों को जीतने के साथ ही अन्य टीमों के परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। के लिहाज से देखें तो उसे अपने बाकी बचे चार में से तीन मैच हर हाल में जीतने होंगे. दूसरी ओर, टॉप-4 में काबिज कोलकाता, लखनऊ, हैदराबाद अगर अपने 2 मैच भी जीत लें तो उनके प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की संभावना बेहद मजबूत हो जाएगी।

लीवर कप हो सकता है नडाल का अंतिम टूर्नामेंट

बार्सिलोना । स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल ने कहा है कि 2024 एटीपी टूर उनका आखिरी साल हो सकता है। नडाल के अनुसार वह सितंबर में बर्लिन में लीवर कप के बाद नहीं खेलेंगे। ऐसे में ये उनका अंतिम टूर्नामेंट हो सकता है। नडाल 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रहे हैं। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह ही बार्सीलोना ओपन में एलेक्स डि मिनोर के खिलाफ दूसरे दौर में हार के बाद कहा था कि यह शायद यहां उनका अंतिम मैच था। नडाल ने बार्सीलोना में अब तक 12 बार खिताब जीते हैं। इस खिलाड़ी ने कहा, ''अपने करियर के इस चरण में मैं वास्तव में वहां जाना चाहता हूं और मुझे दिए गए हर अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहता हूं।'' वह लंबे समय से चोटों से परेशान रहे हैं। इसी कारण उन्होंने इस साल केवल पांच प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं। गौरतलब है कि लीवर कप एक इनडोर हार्डकोर्ट पुरुष प्रतियोगिता है जो गोल्फ के राइडर कप के समान प्रारूप में विश्व टीम और यूरोप टीम के बीच खेली जाती है। नडाल ने कहा, ''मैं टीम यूरोप के लिए बर्लिन में लीवर कप खेलने को लेकर बहुत खुश हूं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे पास लीवर कप के अनुभवों की कुछ विशेष यादें हैं जिनमें दो साल पहले अंतिम बार रोजर फेडरर के साथ खेलना भी शामिल है। नडाल को तब फेडरर ने अपना जोड़ीदार बनाया है।

शुभमन गिल ने हरलीन देओल को दिए बैटिंग टिप्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने अभ्यास के बाद भारतीय महिला क्रिकेटर हरलीन देओल के साथ बातचीत की। जिसका वीडियो गुजरात ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया। वहीं वीडियो में देखा जा सकता है कि गिल हरलीन को क्रिकेट शॉट को लेकर कुछ बता रहे हैं। बता दें कि, हरलीन भी महिला प्रीमियर लीग में गुजरात के लिए खेलती हैं। हरलीन महिला प्रीमियर लीग में चोटिल हो गई थीं, यूपी वॉरियर्स के खिलाफ हुए एक मैच में उनके घुटने में चोट लग गई थी। गुजरात टाइटंस के लिए आज अहम मुकाबला है, उसे जीतना जरूरी है तभी वह प्लेऑफ की लड़ाई में दावेदारी पेश करेगी। गुजरात टाइटंस 10 में से सिर्फ 4 मैच जीते हैं, उसके 8 अंक हैं। टीम के 4 मैच बचे हैं, चारों जीतने के बाद वह 16 अंकों तक पहुंच सकती है।

पैरालिंपिक में पदक जीतना चाहती है टेटे खिलाड़ी विजया

हैदराबाद । यूटीटी पैरा टेबल टेनिस नेशनल चैंपियनशिप में सबसे कम उम्र की पदक विजेता विजया दीपिका गंगापट्टनम का लक्ष्य अब पैरालिंपिक में भारत के लिए पदक जीतना है। विजया ने राष्ट्रीय स्तर पर एकल में रजत और युगल में अपने जोड़ीदार के साथ कांस्य पदक जीता है। विजया का यहां तक का सफर जुझारु क्षमता की मिसाल है। हव हड्डियों की एक गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं जिसके कारण उसके शरीर में 45 फैक्चर हैं। यहां तक कि झटके लगने पर भी हजिंदगी हड्डी टूट जाती है। इसके बाद भी कठिन परिश्रम कर विजया ने टेबल टेनिस खेलकर अपनी किस्मत बदली है। विजया का भाई भी टेबल टेनिस खेलता है। उसे इस खेल में पिता का पूरा समर्थन मिला। विजया के पिता ने कहा कि उसे जन्म के दौरान भी फैक्चर का सामना करना पड़ा क्योंकि डॉक्टरों को उसकी पहले से स्थिति के बारे में पता नहीं था। विजया के ज्यादातर फैक्चर तब हुए जब वह छोटी थी और घुटनों के बल चल रही थी। उसे अपने शरीर का भार अपने हाथों पर उठाना पड़ता था। वह अलग अलग तरह के व्हीलचेयर का उपयोग करती है। व्हीलचेयर बदलते समय वह कई बार गिर चुकी है। वह नहाने समय फिसल जाती थी, जिसके उसके पैर टूट गए। विजया को सात साल की उम्र तक चलने में दिक्कत होती थी, क्योंकि उसके कूल्हे और घुटने में फैक्चर हो गया था। जिसके कारण सर्जरी करानी पड़ी। इन समस्याओं के कारण उसे अपने दिन-प्रतिदिन के कामों के लिए सहायता लेनी पड़ी। वह अन्य बच्चों की तरह स्कूल नहीं जाती क्योंकि वहां चोट का खतरा बना रहता है।

यूरोप दौरे के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित, डिफेंडर रोहित को मिली कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी 20 से 29 मई के बीच बेल्जियम,नीदरलैंड और जर्मनी का दौरा करने वाले भारतीय जूनियर हॉकी टीम की घोषणा शनिवार को यहां कर दी गई। भारतीय जूनियर अपना पहला मैच 20 मई को एंटवर्प में बेल्जियम के खिलाफ खेलेंगे जबकि उनका अगला मुकाबला 22 मई को ब्रेडा, नीदरलैंड में बेल्जियम से ही होगा। भारतीय टीम 23 मई को ब्रेडा में नीदरलैंड की क्लब टीम ब्रेडेज हॉकी वेरेनिगिंग पुश से खेलेगी और उसके बाद 28 मई को जर्मनी में जर्मनी के खिलाफ मैच खेलेगी। इसके बाद वे 29 मई को दौरे के अपने अंतिम मैच में एक बार फिर जर्मनी से खेलने के लिए ब्रेडा लौटेंगे।

भारतीय टीम का नेतृत्व डिफेंडर रोहित करेंगे जबकि शारदानंद तिवारी उपकप्तान होंगे। गोलकीपिंग विभाग की कमान प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह के हाथों में होगी, जबकि शारदानंद तिवारी, योगेम्बर रावत, अनमोल एक्का, रोहित, मनोज यादव और तालेम प्रियो बाटर को डिफेंडर के रूप में चुना गया है। अंकित पाल, रोशन कुजूर, बिपिन बिलवारा रवि, मुकेश टोप्पो, मनमीत सिंह और वचन एच ए मिडफील्ड में विपक्षी टीम को झकायेंगे वहीं फॉरवड में सौरभ आनंद कुशवाह, अर्शदीप सिंह, गुरजोत सिंह, मोहम्मद, कोनैन दाद, दिलराज सिंह और गुरसेवक सिंह की भूमिका अहम होगी।

कप्तान रोहित ने कहा, 'हम अपने शिविर में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और एक-दूसरे के गेमप्ले की समझ विकसित कर चुके हैं। दूसरे देशों की टीमों के खिलाफ एक साथ खेलना अद्भुत होगा, जिससे हमें अपने खेल को बेहतर बनाने और इस तरह के प्रदर्शन से बेहतर होने में मदद मिलेगी।'

टीम

गोलकीपर - प्रिंस दीप सिंह, बिक्रमजीत सिंह

डिफेंडर- शारदानंद तिवारी, योगेम्बर रावत, अनमोल एक्का, रोहित, मनोज यादव, तालेम प्रियो बार्टा

मिडफील्डर - अंकित पाल, रोशन कुजूर, बिपिन बिलवारा रवि, मुकेश टोप्पो, मनमीत सिंह, वचन एच ए

फॉरवर्ड - सौरभ आनंद कुशवाहा, अर्शदीप सिंह, गुरजोत सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद, दिलराज सिंह, गुरसेवक सिंह

मतदाता जागरूकता के लिए 5 मई को बारडोली स्थित स्वराज आश्रम में रन फॉर वोट मैराथन का आयोजन किया जाएगा

सूरत। 7 मई को होने वाले लोकसभा आम चुनाव में अधिक से अधिक संख्या में मतदाता मतदान करें और अधिक से अधिक संख्या में लोग मतदान करें, इस उद्देश्य से रविवार 5 मई को सुबह 7 बजे स्वराज आश्रम, बारडोली से 2 किलोमीटर की दौड़ लोकतंत्र के इस अवसर में भाग लेने और 'चुनाव का पर्व' उत्साहपूर्वक मनाने के लिए वोट मैराथन का आयोजन किया जाएगा। गुजरात खेल प्राधिकरण और जिला प्रशासन द्वारा आयोजित मैराथन दौड़ बारडोली में स्वराज आश्रम से शुरू होगी और मुदित पैलेस के माध्यम से स्वामी नारायण मंदिर तक जाएगी और वहां से शास्त्री रोड पर एक बिंदु तक और पटेल के माध्यम से स्वराज आश्रम में समाप्त होगी। बारडोली जिला अधिकारी डिप्टी कलेक्टर एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी जिजनाबेन परमार ने बारडोली के मतदाताओं एवं धावकों से क्यूआर कोड पर पंजीकरण कराकर बड़ी संख्या में भाग लेने का अनुरोध किया है।

वेसू में श्रम और औद्योगिक न्यायालयों के लिए भवन तैयार हो चुका हैं

सूरत।

सूरत में वेसू क्षेत्र में श्रम और औद्योगिक न्यायालयों के लिए भवन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, इन दोनों न्यायालयों का लोकार्पण लोकसभा चुनाव के बाद किया जा सकता है। वर्तमान में, ये दोनों न्यायालय सूरत जिला कलेक्टर कार्यालय भवन यानी जिला सेवा सदन -2 में स्थित हैं। वकीलों की मांग के बाद इन दोनों अदालतों को दूसरी जगह स्थानांतरित करने का फैसला लिया गया था। हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों के तहत, इन दोनों अदालतों के लिए वेसू में जगह का चयन किया गया और भवन का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।

नए भवन में करीब 10 श्रम अदालतों और 4 औद्योगिक अदालतों के लिए पर्याप्त जगह है। इसके अलावा, वकीलों के लिए अलग कमरा, महिला वकीलों के लिए अलग कमरा और कॉन्फ्रेंस रूम भी बनाया गया है। विभिन्न निर्णयों के अध्ययन के लिए एक अलग लाइब्रेरी भी स्थापित की गई है और वाहनों के लिए पार्किंग की भी व्यवस्था है।

कहा जा रहा है कि यदि सूरत की मुख्य अदालत को भी वेसू में स्थानांतरित कर दिया जाता है, तो अन्य अदालतों से कनेक्टिविटी बेहतर होगी और वकीलों को एक अदालत से दूसरे अदालत में जाने में आसानी होगी। जिला जज आर.टी. वाछानी ने भी वेसू स्थित जगह का दौरा किया है और इस स्थान को सूरत की मुख्य अदालत के लिए उपयुक्त माना है।

यह उम्मीद की जा रही है कि लोकसभा चुनाव के बाद सूरत की मुख्य अदालत के स्थानांतरण पर फैसला लिया जाएगा और यदि ऐसा होता है, तो वेसू में एक नया न्यायिक परिसर स्थापित होगा।

भाठा में पारिवारिक अदालत, उपभोक्ता अदालत के बाद मुख्य अदालत मिलेगी तो महिला वकीलों को होगी राहत

वेसू की जगह के साथ-साथ सूरत की महिला वकील भी इच्छा जता रही हैं कि भाठा की जगह का चयन किया जाए। इस संबंध में अधिवक्ता प्रीति जिग्नेश जोशी ने कहा कि पाल में फैमिली कोर्ट की स्थापना की जानी है। यदि मुख्य जिला अदालत को भाठा ले जाया जाता है तो सूरत की मुख्य अदालत और पारिवारिक अदालत में प्रैक्टिस करने वाली सभी महिला वकीलों को राहत मिलेगी। क्योंकि भाठा और पाल के बीच बहुत कम दूरी है। इसके अलावा उपभोक्ता अदालत भी पाल से डेढ़ से दो किलोमीटर की दूरी पर आने से वकीलों को भी राहत मिलेगी।

जुए के अड्डे पर छापेमारी में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है

सूरत ।

गुजरात के सूरत शहर में पुलिस ने आज एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऐसे जुए के अड्डे का भंडाफोड़ किया जो वास्तुशास्त्र के नाम पर चल रहा था। इस छापेमारी में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से 2.26 लाख रुपये की नकदी और अन्य सामान जब्त किया गया है।

जानकारी के अनुसार, यह जुआ अड्डा कापोद्रा इलाके में गायत्री नगर सोसायटी की एक दुकान में चल रहा था। आरोपी इस दुकान में वास्तु यंत्र और श्री यंत्र के प्रचार-प्रसार के नाम पर लोगों को ऑनलाइन जुआ खेलने के लिए प्रेरित करते थे।

पुलिस के मुताबिक, इस जुए के अड्डे पर ऑनलाइन आईडी और पासवर्ड के जरिए लॉग इन करके जुआ खेला जाता था। हर पांच मिनट में एक विजेता घोषित किया जाता था और उसे उसकी जीतनी रकम का नौ गुना भुगतान किया जाता था।

पुलिस ने बताया कि इस जुए के अड्डे के संचालक दो अलग-अलग मार्केटिंग एजेंसियों, ऑनेस्ट वन और ऑनेस्ट टू के माध्यम से काम करते थे। ये एजेंसियां पूरे गुजरात में अपने टीवी डिस्प्ले पर हर दिन सुबह आठ बजे आईडी पासवर्ड के साथ लॉग इन करते थे।

यह घटना एक बार फिर से इस बात को उजागर करती है कि कैसे कुछ लोग अवैध गतिविधियों को अंजाम देने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल करते हैं। पुलिस को ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि समाज में अंधविश्वास और अवैध गतिविधियों को रोका जा सके।

गजेरा ग्लोबल स्कूल ने तीन दिवसीय सम्मेलन 'आईआईएमयूएन सूरत 2024' का आयोजन किया

सुरत भुमि, सूरत। गजेरा ट्रस्ट और सुनीताज़ मेकर स्पेस के सहयोग से गजेरा ग्लोबल स्कूल सूरत में 26 से 28 अप्रैल 2024 तक IIMUN – सूरत 2024 सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस कॉन्फ्रेंस के पीछे गजेरा ट्रस्ट और सुनीताज़ मेकर्स स्पेस का इरादा युवाओं को एक मंच प्रदान करना है। ऐसा वातावरण प्रदान करना जहां एक बच्चा सोच सके, शोध कर सके, डिबेट कर सके और दूसरों के विचारों को स्वीकार कर सके और बच्चों को कम उम्र से ही वैश्विक नेतृत्व गुण विकसित करने के पर्याप्त अवसर प्रदान करे।

IIMUN-सूरत 2024 कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन 26 अप्रैल को शाम चार बजे संजीव कुमार ऑडिटोरियम में हुआ। जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ. आर. देश के जाने-माने वैज्ञानिक और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के अध्यक्ष चिदम्बरम ने विकसित भारत की कल्पना करते हुए और बच्चों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण की समझ प्रदान करते हुए एक अद्भुत भाषण दिया। इसी प्रकार, एक अन्य मुख्य अतिथि और प्रसिद्ध संगीतकार श्री लेस्ली लुईस ने लाइव प्रदर्शन से बच्चों को मंत्रमुग्ध और उत्साहित किया। उद्घाटन समारोह में चेंबर ऑफ कॉमर्स सूरत के अध्यक्ष श्री रमेशभाई वघासिया विशेष रूप से उपस्थित थे। इसके अलावा सबसे कम उम्र की महिला पायलट कुमारी मैत्री पटेल सहित कई अतिथि भी उपस्थित थे। प्रबंध न्यासी श्री चुन्नीभाई गजेरा ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया।

जब से सुनीताज़ मेकर्स स्पेस की संस्थापक कुमारी किंजल चुनीभाई गजेरा ने 2015 में मेकर्स स्पेस की स्थापना की, तब से संगठन का दृष्टिकोण और मिशन युवा इनोवेटर्स और वैश्विक नेताओं को तैयार करने के लिए एक मंच बनाना था जहां बच्चों को पर्याप्त मार्गदर्शन, सुविधाएं और खुद को व्यक्त करने के लिए जगह मिले। IIMUN कॉन्फ्रेंस भी इसका एक हिस्सा है. गजेरा ग्लोबल स्कूल, पाल में 27 और 28 अप्रैल को सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन के दौरान 30 से अधिक स्कूलों के 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से 34 पीठासीन अधिकारी पहुंचे। इस सम्मेलन में

कुल 17 समितियों का गठन किया गया, जिनमें मुख्य रूप से लोकसभा, नीति आयोग, यूएनएससी, यूएनईपी, आईपीएल जैसी कई समितियों में प्रतिनिधियों ने जोरदार तरीके से अपने विचार रखे और बहस की. सम्मेलन का समापन समारोह 28 अप्रैल को शाम 5 बजे आयोजित किया गया। जिसमें SVNIT-SURAT के निदेशक डॉ. अनुपम शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहे और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। समापन समारोह में, सभी समितियों के पहले तीन विजेता प्रतिनिधियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, जबकि 'आईआईएमयूएन सूरत 2024' की विजेता ट्रॉफी गजेरा ग्लोबल स्कूल को प्रदान की गई। गजेरा ट्रस्ट ने बच्चों को बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

वेलस्पन फाउंडेशन के सहयोग से मोटा पोंडा गांव में जीविका महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा एक सफल कैंटीन का उद्घाटन किया गया

सुरत भुमि, सूरत।

अपनी परंपरा और सशक्तिकरण के जश्न में, वेलस्पन फाउंडेशन द्वारा यशवनी भू-नालय शुरू किया गया है, जो समाज के समग्र विकास के लिए काम करता है और स्वास्थ्य, रोजगार, शिक्षा सहित जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करता है। वेलस्पन फाउंडेशन वेल लीडरशिप प्रोग्राम की एक पहल है और इसके एक हिस्से के रूप में यह भोजनालय शुरू किया गया है। आशा है कि यह प्रयास महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान की यात्रा को मजबूती प्रदान करेगा।

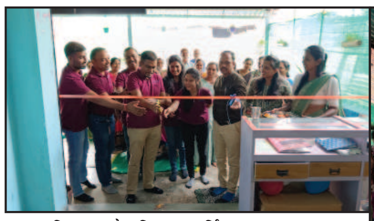

वेलस्पन फाउंडेशन समाज के समग्र विकास के लिए समर्पित है और इसका कुशल कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, आजीविका, कृषि और पशुपालन के साथ-साथ कई अन्य गतिविधियों पर केंद्रित है, जिसके तहत वेलस्पन फाउंडेशन के सहयोग से एक सफल कैंटीन शुरू की गई है। क्षेत्र की आदिवासी महिलाओं के लिए यह आशीर्वाद का एक रूप है। जो अपने परिवार के लिए आजीविका का एक वैकल्पिक स्रोत बनाता है और स्वादिष्ट पारंपरिक व्यंजन परोसता है। यह रेस्तरां इन महिलाओं के लिए अपना कौशल दिखाने का एक आदर्श मंच है। एक सफल रेस्तरां सिर्फ खाने की जगह नहीं है बल्कि समुदाय के लिए आशा और अवसर का प्रतीक है। इन कैंटीनों के माध्यम से, वेलस्पन वर्ल्ड महिला उद्यमियों को आवश्यक प्रशिक्षण देकर उन्हें अपने परिवारों की आर्थिक समृद्धि में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाना चाहता है।

एसएचजी के सहयोग से पिछले साल लॉन्च किए गए स्वदेशी भोखोलया की सफलता से प्रेरणा लेते हुए, यासावी भोखोलया को वेलस्पन फाउंडेशन द्वारा जीविका महिला स्वश्रय समूह के सहयोग से लॉन्च किया गया है और यह बदलाव के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में उभरा है। जहां एक ओर पारंपरिक भोजन का स्वाद और दूसरी ओर महिलाओं का उत्थान आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है।

वेलस्पन फाउंडेशन यशस्वी भोजनालय जैसी पहल के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी और सतत विकास के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता व्यक्त करता है। महिलाओं को सशक्त बनाने और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देकर, वेलस्पन फाउंडेशन सामाजिक सद्भाव, समृद्धि और समृद्ध समाज के लिए प्रयास करता है।

ट्रायथलॉन टाइटन: कृषिव पटेल की शानदार जीत

सूरत। नेपाल ट्रायथलॉन एसोसिएशन के सौजन्य से कृषिव पटेल ने नेपाल के पोखरा में 2024 एशिया ट्रायथलॉन कप और दक्षिण एशियाई चैंपियनशिप में दूसरे स्थान के साथ प्रतियोगिता में वापसी करके रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल को गौरवान्वित किया है। इसके अलावा इस प्रतियोगिता में लगभग 15 दक्षिण एशियाई देशों और उनके प्रतिस्पर्धियों ने भाग लिया। कृषिव का प्रतिस्पर्धा करने का तरीका, आपकी जीत आपके धैर्य और गति का प्रमाण है। उन्हें स्कूल परिवार और प्रबंध निदेशक श्री किशनकुमार मांगूकिया, परिसर निर्देशक श्री आशीष वाघानी और प्राचार्य श्री तृशार परमार द्वारा सम्मानित किया गया।

PhonePe ने नेपाल में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में अपनी PI आधारित सेवाएँ को लोगों के सामने लाया

आज PhonePe ने नेपाल के काठमांडू में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) प्लेटफॉर्म पर आधारित अपनी सेवाओं का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम से नेपाली फाइनेंशियल लैंडस्केप के मुख्य सहयोगियों को एक साथ लाया गया है। इनमें बैंकिंग क्षेत्रों के वरिष्ठ प्रतिनिधि, पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर, UPI स्वीकार करने वाले मर्चेंट, और बिजनेस असोसिएशन के प्रतिनिधि शामिल थे। इस कार्यक्रम को नेपाल के सबसे बड़े पेमेंट सिस्टम ऑपरेटर Fonepay पेमेंट सर्विस लिमिटेड ने आयोजित किया, जो नेपाल के लिए NIPL के समान है।

इस कार्यक्रम में, FonePay नेटवर्क के CEO, दिवस सपकोटा ने मुख्य भाषण दिया। उन्होंने नेपाल की डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए PI की क्षमता पर जोर दिया। इसके बाद, नेपाल की अर्थव्यवस्था और फाइनेंशियल लैंडस्केप पर दोनों देशों के बीच पेमेंट के प्रभाव पर पैनल ने जोरदार चर्चा की। इस पैनल में कई सम्मानित पैनलिस्ट शामिल थे, जैसे अनिश तमराकर – मुख्य डिजिटल बैंकिंग अधिकारी, कुमारी बैंक, श्रद्धा क्षेष्ठा – प्रबंधक, नेपाल पर्यटन बोर्ड, जगदीश खड़्का – CEO, eS-e2a, और विवेक राणा – ICT/MIS सलाहकार, एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB)। पैनल की चर्चा में सीमा पार से पेमेंट और नेपाल की अर्थव्यवस्था और फाइनेंशियल लैंडस्केप पर उनके प्रभाव से जुड़ी कई समस्याओं को शामिल किया गया। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय लेनदेन को सुविधाजनक बनाने में नियामक की चुनौतियों और अनुपालन की माँगों से संबंधित कई मुद्दों पर भी बातचीत हुई। पैनलिस्ट ने नेपाल के पर्यटन क्षेत्र पर PI के सकारात्मक प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने खास तौर पर, सुविधाजनक कैशलेस पेमेंट के ज़रिए पर्यटक अनुभव के बेहतर होने की जानकारी दी। इस चर्चा में आगे यह भी बताया गया कि सीमा पार के पेमेंट, फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशन की आय के माध्यम और बिजनेस मॉडल को कैसे प्रभावित करते हैं।

नियोजेन केमिकल्स ने 2024 की चौथी तिमाही में मुनाफे की रिपोर्ट दी: EBITDA 10 प्रतिशत बढ़कर रु. 36 करोड़, कर पश्चात लाभ 18 प्रतिशत बढ़कर रु. 17 करोड़ हुआ

नियोजेन केमिकल्स लिमिटेड (नियोजेन) ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए अपने वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा की है।

वित्त वर्ष 2024 में, कमोडिटी की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट के बावजूद, विशेष रूप से ब्रोमीन और लिथियम में, राजस्व रु। होने की उम्मीद है। 691 करोड़ रुपए रखे गए। कंपनी ने नए ग्राहकों को जोड़कर और लागत सुधार पहल करके अपने बेस वॉल्यूम को सक्षम/बढ़ाया है। नियोजेन आयोनिक्स (बैटरी सामग्री प्रभाग) ने जापान और दक्षिण कोरिया में प्रमुख ग्राहकों को लिथियम इलेक्ट्रोलाइट लवण की आपूर्ति करके चौथी तिमाही में प्रारंभिक राजस्व अर्जित किया।

2024 में EBITDA रु. 110 करोड़. बुल्ली केम के अधिग्रहण और एक नई कंपनी की स्थापना के कारण समेकित आधार पर कार्मिक व्यय में वृद्धि हुई। हालाँकि, ऑपरेटिंग EBITD को बनाए रखा गया, जिससे 2024 में EBITDA मार्जिन 16 प्रतिशत हो गया।

2024 में कर पश्चात लाभ रु. 36 करोड़ का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है. वर्ष के दौरान उच्च घाटे और ब्याज व्यय के कारण बैटरी सामग्री प्रभाग में चल रहे पूंजीगत व्यय के कारण कर पश्चात लाभ का प्रदर्शन सुस्त था। कंपनी ने कार्यशील पूंजी में सुधार और उच्च लागत वाले ऋण को कम करने के लिए तरजीही आवंटन से प्राप्त आय को नियोजेन आयोनिक्स में निवेश किया।

चौथी तिमाही में प्रति शेयर आय (ईपीएस) रु. 6.42 (2023 की चौथी तिमाही में प्रति शेयर आय 5.74 रुपये थी)।

चौथी तिमाही 2024 के प्रदर्शन पर बोलते हुए, नियोजेन केमिकल्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री हरिदास कनानी ने कहा:

"वित्तीय वर्ष 2024 नियोजेन केमिकल्स के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि हम एक गतिशील विकास पथ पर आगे बढ़ रहे हैं, जो भारत के बढ़ते ईवी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत नींव स्थापित कर रहा है। वर्ष के दौरान की गई रणनीतिक पहल जैसे कि बुली केम का अधिग्रहण, एमयूआईएस के साथ लाइसेंसिंग समझौता, तरजीही मार्ग के माध्यम से इक्विटी जुटाना और नियोजेन आयोनिक्स द्वारा भूमि अधिग्रहण भविष्य के लिए हमारी स्थिति को मजबूत करने और हमारे विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए संरेखित हैं। मैं हमारे सामान्य लक्ष्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समर्पण और इस गतिशील यात्रा का हिस्सा बनने के लिए पूरे नियोजेन परिवार को धन्यवाद देना चाहता हूं।

वर्ष के दौरान हमारा प्रदर्शन उद्योग द्वारा अनुभव की गई कथित वैश्विक चुनौतियों का प्रतिबिंब है, जिसका मांग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इनमें भारत में सस्ती डंपिंग, इन्वेंट्री समायोजन, सैन्य वृद्धि और लॉजिस्टिक संकट आदि शामिल हैं। हमारे उत्कृष्ट व्यवसाय मॉडल और विनिर्माण ताकत ने हमें इन बाधाओं को दूर करने और लचीला संचालन प्रदान करने में मदद की है।

हमने अपनी ग्रीनफील्ड बैटरी सामग्री परियोजना स्थापित करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। प्लांट को जापानी तकनीक एमयूआईएस का उपयोग करके डिजाइन किया गया है, जिसे अंतिम रूप दिया जा रहा है और हमने पीओ जारी करना शुरू कर दिया है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। हम इसे 2026 की दूसरी छमाही तक लॉन्च करने की राह पर हैं। इसका परिचालन लॉन्च देश में ईवी बैटरी निर्माताओं के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करेगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)